mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-219 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
09 अगस्त 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

फेसबुक-इंस्टाग्राम की कानूनी सुरक्षा वापस ले सकती है सरकार

रिकमेंडेशन और पैसों के बदले कंटेंट प्रमोशन बड़ा मुद्दा, मेटा को इंसानी निगरानी बढ़ाने को कहा

नई दिल्ली,एजेंसी। सोशल मीडिया कंपनी मेटा और भारत सरकार के बीच चल रही बैठकों के बाद एक बड़ा कानूनी और तकनीकी सवाल खड़ा हो गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक मुख्य मुद्दा यह है कि क्या मेटा के रिकमेंडेशन सिस्टम और पैसों के बदले कंटेंट का प्रमोशन उसे एक साधारण प्लेटफॉर्म बनाए रखते हैं या फिर वह पब्लिशर की भूमिका में आ जाती है।

यदि कोई प्लेटफॉर्म यह खुद तय करता है कि किस यूजर को क्या कंटेंट दिखाया जाएगा और पैसे लेकर कंटेंट को प्रमोट करता है, तो उसे पब्लिशर माना जा सकता है। ऐसा होने पर कंपनी को अपने प्लेटफॉर्म पर पोस्ट होने वाले कंटेंट की पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी और IT एक्ट के तहत मिलने वाली कानूनी छूट यानी सेफ हार्बर स्टेटस गंवाना पड़ सकता है।

क्या है 'सेफ हार्बर' प्रोटेक्शन और क्यों खतरे में है मेटा का स्टेटस?

IT एक्ट की धारा 79 सोशल मीडिया कंपनियों को 'सेफ हार्बर' यानी कानूनी सुरक्षा कवच देती है। इसके तहत किसी यूजर द्वारा पोस्ट की गई विवादित या गलत जानकारी के लिए प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक या इंस्टाग्राम को सीधे जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता। हालांकि, यह छूट तभी तक मिलती है जब तक कंपनी पूरी तरह 'ड्यू डिलिजेंस' यानी कानूनी नियमों और सावधानियों का पालन करे।

सीएम योगी ने की कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा; शिवभक्तों ने लगाए बोल बम के नारे

मेरठ,एजेंसी। मेरठ में शनिवार को कांवड़ियों पर फूलों की बारिश हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दुल्हैडा चुंगी पहुंचे और हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। भगवा रंग में रंगे कांवड़ मार्ग पर फूलों की बारिश और शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट मेरठ में रहे।

कांवड़ मार्ग पर बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे। भगवा रंग में रंगे मार्ग पर फूलों की बारिश और कांवड़ियों का उत्साह देखते ही बना। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट कार्यक्रम स्थल पर रहे। 'साढ़े चार करोड़ शिव भक्त करेंगे

योगी बोले- त्याग और श्रद्धा से जुड़े हैं लाखों शिवभक्त

जलाभिषेक'पुष्प वर्षा के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान में हरिद्वार से लेकर गाजियाबाद के बीच लाखों की संख्या में शिव भक्त कांवरिया पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मेरा मानना है कि इस बार शिवरात्रि पर चार से साढ़े चार करोड़ शिव भक्त भगवान शंकर का जलाभिषेक करेंगे।

कहा कि मुजफ्फरनगर में शिव चौक पर भी शिव भक्तों की भारी भीड़ है। यात्रा में पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व हिमाचल समेत देश के विभिन्न क्षेत्रों के शिव भक्त शामिल हैं। वे मेरठ में ऐतिहासिक बाबा औघड़नाथ मंदिर, गाजियाबाद में दूधेश्वरनाथ तथा बागपत में पुरा महादेव मंदिर के साथ विभिन्न स्थानों पर जलाभिषेक करेंगे।

कांवड़ यात्रा को लेकर कांवड़ियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और प्रदेश सरकार के कर्मचारियों अधिकारियों में पूरा उत्साह है। कावड़ियों की सुरक्षा और स्वागत के लिए सभी तत्परता के साथ जुटे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा इस यात्रा में शामिल शिव भक्त सामाजिक चेतना व समता के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता का भी उदाहरण पेश कर रहे हैं। यह सभी जाति-पाति और प्रांत की सीमा से उठकर भगवान शंकर की भक्ति में लगे हैं। कांवड़ियों की सेवा में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी शिविर लगाए हैं।

उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने भगवान शंकर से देश और प्रदेश में शांति और सद्भाव का माहौल बनाए रखने की प्रार्थना भी की।

: ब्रीफ बॉक्स :

राहुल का सरकार से सवाल-महिला आरक्षण लागू क्यों नही किया

इसे परिसीमन से क्यों जोड़ रहे; केंद्र लोकसभा सीटें बढ़ाकर इसे लागू करना चाह रही

नई दिल्ली,एजेंसी। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही संसद से सर्वसम्मति से पास हो चुका है और कांग्रेस ने इसका पूरा समर्थन किया था।लेकिन तीन साल बाद भी कानून लागू नहीं किया गया है।

राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल किया कि महिला आरक्षण कानून को लागू करने में देरी क्यों हो रही है और इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है।उन्होंने सरकार से 2023 में पारित कानून को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की।

महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलने का मुद्दा विपक्ष उठाता रहा है और इसे पूरी तरह लागू करने की बात कहता रहा है।जबकि सरकार परिसीमन के जरिए लोकसभा सीटें बढ़ाकर इसे लागू करने की बात कह रही है।

पाकिस्तान-सऊदी तुर्किये के बीच रक्षा समझौता साइन

एक पर हमला तीनों पर माना जाएगा; साझा ट्रेनिंग और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा

रियाद,एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने शुक्रवार को सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए डिफेंस पैक्ट साइन किया है। इसे 'मक्का जॉइंट डिफेंस पैक्ट' कहा जा रहा है।

समझौते के मुताबिक, अगर तीनों में से किसी एक देश पर हमला होता है, तो इसे तीनों देशों पर अटैक माना जाएगा।समझौते के तहत तीनों देश आपस में रक्षा सहयोग बढ़ाएंगे।इसके लिए संयुक्त सैन्य ट्रेनिंग, सुरक्षा से जुड़ी जानकारी साझा करने और सुरक्षा तालमेल बढ़ाने पर काम किया जाएगा।

दीपके बोले: पीएम स्वतंत्रता दिवस पर युवाओं को संबोधित करें

सरकार बताए शिक्षा-बेरोजगारी पर या कदम उठाए; लोगों से पिटीशन साइन करने को कहा

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस पर हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री देश के युवाओं को संबोधित करें।

उन्होंने शुक्रवार को X पर पोस्ट कर लिखा- हम प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे बताएं कि सरकार शिक्षा, बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई के मुद्दों पर युवाओं के लिए क्या कदम उठा रही है।उन्होंने अपने पोस्ट के साथ एक लिंक शेयर करते हुए कहा, 'अगर आप इस बात का

समर्थन करते हैं, तो पिटीशन पर साइन करें।' शनिवार सुबह 4 बजे तक याचिका पर 32 हजार से ज्यादा लोगों ने साइन किए हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी शुरू करेगी 'क्या बोलती पब्लिक' कैंपेन: कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे।

दीपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की था। उन्होंने कहा था कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे।

नीट पेपर लीक को लेकर दीपके और उनकी पार्टी ने जंतर-मंतर पर 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था।

भारत पर 100% टैरिफ वाला बिल अमेरिकी सीनेट में पास

रूसी तेल खरीदने वाले 5 देशों पर कार्रवाई; 86 सांसदों ने पक्ष में वोट किया, 11 विरोध में

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने 86-11 के बहुमत से भारत समेत 5 देशों पर 100% तक का टैरिफ लगाने वाला बिल पास कर दिया है।बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया गया। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके।23 जुलाई को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था।

।, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया।हालांकि, अभी ये कानून नहीं बना है। अभी इसे अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भेजा जाएगा। अगर वहां भी बिल पास हो जाता है, तो इसे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा।

ईरान के साथ ट्रेड करने वाली कंपनियों पर प्रतिबंध बढ़ेगा

अगर यह कानून बन जाता है तो 1996 का 'ईरान प्रतिबंध कानून' 2031 तक बढ़ जाएगा।यह कानून उन गैर-अमेरिकी कंपनियों पर पाबंदी लगाता है जो ईरान के साथ व्यापार करती हैं।यह कानून इसी साल खत्म होने वाला था।इस बिल से अमेरिकी राष्ट्रपति को यह अधिकार भी मिल जाएगा कि वे अमेरिका में आने वाले रूसी सामान पर 500% तक टैरिफ लगा सकें।राष्ट्रपति का यह अधिकार 5 साल तक लागू रहेगा।व्हाइट हाउस ने पहले भी रूस पर पाबंदियां लगाने की कोशिश की थी।लेकिन ईरान युद्ध के दौरान जब होर्मुज बंद हुआ, तो तेल का संकट आ गया।इस वजह से अमेरिकी प्रशासन को तेल की बिक्री पर कुछ समय के लिए छूट देनी पड़ी थी।

थरूर बोले:आरएसएस की विचारधारा नहीं बदली

उनका मकसद देश को हिंदू राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाना, लेकिन भागवत का बयान बदलाव का संकेत

मुंबई,एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि आरएसएस का मुख्य मकसद भारत को हिंदू राष्ट्र और हिंदुत्व के रूप में आगे बढ़ाना है और यह मूल विचारधारा आज भी नहीं बदली है।

थरूर ने ये बात मुंबई में शुक्रवार शाम को इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (IIMUN) के कार्यक्रम में कही। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के इसी कार्यक्रम में दिए बयानों को अच्छा संकेत

माना है। उन्होंने कहा, 'मैं दस साल से संघ प्रमुख के बयानों को देख रहा हूं। अब उनमें बदलाव दिखता है।'भागवत ने 6 जुलाई को Gen-Z और Gen-अल्फा से 1 घंटे तक बातचीत की थी।

भागवत ने कहा था, 'जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार हैं। हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ।'

अलग विचारधारा वालों के साथ भी बातचीत जरूरीः जो लोग चाहते हैं कि मुझे पार्टी (कांग्रेस)से निकाल दिया जाए, क्योंकि मैं उस मंच पर गया था जहां मोहन भागवत भी मौजूद थे। वे यह नहीं समझते कि अलग सोच रखने वालों के साथ भी बातचीत की जा सकती है।

मैं उस पार्टी का हिस्सा, जो मेरी सोच के करीबः कांग्रेस सबसे कम अलोकतांत्रिक पार्टी है। क्या आपने कभी सुना है कि बीजेपी में किसी ने असहमति जताई हो और पार्टी में बना रहा हो? मैं उस पार्टी में हूं जो मेरी सोच के सबसे करीब है।

बारिश-लैंडस्लाइड के कारण अमरनाथ यात्रा जम्मू में रोकी

दिल्ली-एनसीआर में बारिश, गाड़ियां फंसीं, जाम लगा; बिहार के बगहा में 300 घर डूबे

नई दिल्ली,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण शनिवार को जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर से रोक दी गई। 11 अगस्त तक जम्मू क्षेत्र में तेज बारिश-बाढ़ और लैंडस्लाइड की आशंका है।

राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को तेज बारिश हुई। दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाले हाईवे समेत कई प्रमुख सड़कों पर चार फीट तक पानी भर गया। इससे गाड़ियां बीच रास्ते में फंस गईं। कई इलाकों में लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

मौसम विभाग ने शनिवार को भी दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगस्त के पहले सप्ताह में दिल्ली में अब तक 127 मिमी बारिश हो चुकी है, जो 2011 के बाद सबसे ज्यादा बारिश है।नेपाल में हो रही बारिश से बिहार के मुजफ्फरपुर में बागमती नदी उफान पर है। बगहा में गंडक नदी का पानी 300 घरों में घुस गया है। लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया जा रहा है।

यूपी में 25 दिनों से जारी भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए हैं और 84 घाटों का संपर्क टूट गया है। 50-60 छोटे मंदिरों में भी पानी घुस गया है। आगरा में सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 98 हुई: असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। एक और मौत के बाद मरने वालों की संख्या 98 हो गई है। 13 जिलों के 464 गांवों में करीब 1.55 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां करीब 58,750 लोग बाढ़ की चपेट में हैं।प्रशासन ने 55 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 10 हजार से ज्यादा लोग रह रहे हैं। धानसिरी और कुशियारा नदियां कुछ जगहों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

सरकार ने अरुणाचल की 27 जगह मैप में शामिल कीं

● चीन की वजह से ऐसा किया, इसने कई बार भारतीय इलाकों के नाम बदले

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश की 27 जगहों और उनकी भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक नक्शे पर दर्ज किया। यह कदम चीन की ओर से राज्य की जगहों के नाम बदलने की कोशिशों के बीच उठाया गया है।

गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह काम अरुणाचल प्रदेश सरकार से सलाह लेकर किया गया है। इसका मकसद इन जगहों की सही पहचान बताना और आम लोगों में जागरूकता बढ़ाना है।

सरकार ने ऐसा क्यों किया

इन नामों को आधिकारिक मानचित्रों में शामिल करने का मकसद प्रशासन को बेहतर बनाना है। इससे सरकारी रिकॉर्ड में एकरूपता आएगी, अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर तालमेल होगा और आपदा के समय मदद पहुंचाने में आसानी होगी।हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि इन नामों के आधार पर लोगों के पासपोर्ट या दूसरे निजी दस्तावेजों में कोई बदलाव किया जाएगा।सरकार का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की आधिकारिक पहचान तय करना और भारत के प्रशासनिक रिकॉर्ड में उन्हें शामिल करना है।

दिल्ली-आईआईटी में मोदी बोले: सिर्फ सवाल मत पूछिए,समाधान भी खोजें

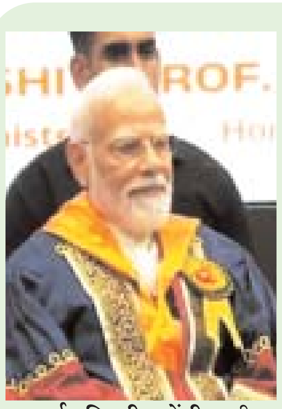

अगले 35 साल आप जो करेंगे, वह विकसित भारत का आधार होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को IIT दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा, 'हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा।'

उन्होंने कहा, 'मैंने IIT के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था। इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें।'

जाने से पहले हर सदस्य से जरूर मिलें- पीएम: प्रधानमंत्री ने कहा, 'जब भविष्य में आप पर और जिम्मेदारियां होंगी, तो ये यादें आपको अतीत में ले जाएंगी। इन इमोशनल पलों में, जब भी जिंदगी आपको पीछे मुड़कर देखने का मौका देगी, तो आप अपनी हर सफलता से पहले इस कैंपस लाइफ को याद करेंगे।

वो दोस्त, टीचर, मेंटर और सपोर्ट स्टाफ जो आपका परिवार बन गए और आपको आकार देने की जिम्मेदारी ली, साथ ही यह जगह जो धीरे-धीरे आपका घर बन गई और उन्हें धन्यवाद देंगे। उन्हें एक एसेट की तरह संभाल कर रखें, उन्हें न भूलें। जाने से पहले, यहां के हर सदस्य से जरूर मिलें। '

आप अपनी यात्रा से संतुष्ट होंगे- पीएम मोदी:

पीएम मोदी ने कहा, 'आज आप सब और सभी स्टूडेंट्स इस प्रोग्राम में मौजूद हैं।लेकिन मन के किसी कोने में कुछ और चल रहा होगा।हर स्टूडेंट के मन में आने वाले कल की अपनी तस्वीर होगी।कई स्टूडेंट्स अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहे होंगे, कोई नए शहर में नई शुरुआत की तैयारी कर रहा होगा, कई साथी अपने नए स्टार्टअप का सपना देख रहे होंगे, किसी ने अगले कॉम्पिटिटिव एग्जाम का गोल सेट किया होगा।हर किसी का रास्ता अलग है, हर किसी का सपना अलग है।लेकिन इन सबके बाद भी, एक एहसास है जो आप सबके मन में एक जैसा होगा।'

हिमाचल में यात्रियों से भरी बस पलटी 7 की मौत

भरमौर,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शनिवार सुबह एक प्राइवेट बस पलट गई। जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। हादसे में 11 यात्री घायल बताए हो गए। जिन्हें तीसा अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चंबा मेडिकल कॉलेज रैफर किया गया है।

स्क विजय कुमार सकलानी ने बताया कि बस सुबह 7 बजे बैरागढ़ से चंबा के लिए चली थी। बैरागढ़ से कुछ ही दूरी पर 'शर्मा कोच' बस चालुंज मोड़ के पास बेकाबू होकर पलटी, फिर दूसरी सड़क पर जा गिरी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- बस पलटते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। अंदर फंसे लोग एक दूसरे पर जा गिरे। जेसीबी की मदद से बस को हटाया गया, फिर अंदर फंसे मृतकों और घायलों को बाहर निकाला गया। इस दौरान लोग बचाव को चिल्लाते सुने गए।

● 18 के करीब यात्री सवार थे: पुलिस के अनुसार- बस नंबर HP-73-A-2101 में ड्राइवर-कंडक्टर समेत 18 यात्री सवार थे। इनमें चार से 18 साल के छह बच्चे भी शामिल है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को तीसा अस्पताल पहुंचाया।

फेसबुक पर मिला एयरपोर्ट कर्मचारी, बेटे की नौकरी के नाम पर 16 बार में महिला से ठगे लाखों, गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। साइबर ठगों ने नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं और उनके स्वजन को निशाना बनाने का नया तरीका अपनाया है। उत्तर-पूर्वी जिले की साइबर थाना पुलिस ने ऐसे ही एक मामले का पर्दाफाश करते हुए फेसबुक पर खुद को आईजीआई एयरपोर्ट का कर्मचारी बताकर महिला से 3.03 लाख रुपये ठगने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने महिला के 20 वर्षीय बेटे को केबिन क्रू की नौकरी दिलाने का झांसा देकर अलग-अलग मदों के नाम पर रकम वसूली थी। पुलिस के अनुसार, शिव विहार निवासी सोमवती की शिकायत पर साइबर थाने में ई-एफआईआर संख्या 00061/2025 दर्ज की गई थी। महिला ने बताया कि जुलाई 2024 में फेसबुक के

जरिये उसकी एक व्यक्ति से बातचीत हुई थी। उसने खुद को दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट में कर्मचारी बताया और महिला को विश्वास दिलाया कि वह उसके बेटे की केबिन क्रू में नौकरी लगवा सकता है। नौकरी का झांसा मिलने के बाद महिला उसके झांसे में आ गई।

तकनीकी जांच से आरोपित तक पहुंची पुलिस: मामले की जांच के दौरान पुलिस ने रकम के लेनदेन, मोबाइल नंबर और अन्य डिजिटल साक्ष्यों का तकनीकी विश्लेषण किया। साइबर पुलिस ने डिजिटल निगरानी और वित्तीय लेनदेन की जांच के आधार पर आरोपित की पहचान और उसके ठिकाने का पता लगाया। पुलिस टीम ने 6 अगस्त को मधु विहार से 32 वर्षीय राजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, वह वहां एक ब्लिंकिट स्टोर में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था।

दस्तावेज शुल्क के नाम पर वसूली

आरोपित ने नौकरी की प्रक्रिया को वास्तविक दिखाने के लिए महिला से अलग-अलग बहाने बनाए। कभी सिक्योरिटी डिपॉजिट, कभी दस्तावेज तैयार कराने और कभी भर्ती प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर पैसे मांगे। महिला ने उसकी बातों पर भरोसा कर 17 सितंबर 2024 से 26 दिसंबर 2024 के बीच कुल 16 बार यूपीआई और फोनपे के माध्यम से 3,03,120 रुपये उसके बताए खातों में भेज दिए। रकम मिलने के बाद भी आरोपित ने नौकरी नहीं लगवाई। महिला ने जब उससे पैसे वापस मांगने शुरू किए तो उसने फेसबुक पर उसे ब्लॉक कर दिया और फोन पर बातचीत भी बंद कर दी। इसके बाद वह महिला के संपर्क से बाहर हो गया।

मिटा देता था डिजिटल सुबूत

पूछताछ में आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह फेसबुक पर नौकरी तलाशने वाले लोगों से संपर्क करता था और खुद को आईजीआई एयरपोर्ट का कर्मचारी बताकर उनका विश्वास जीतता था। इसके बाद एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने का लालच देकर उनसे सिक्योरिटी डिपॉजिट, दस्तावेज शुल्क और भर्ती प्रक्रिया के नाम पर किस्तों में रकम लेता था। पुलिस के अनुसार, पैसे मिलने के बाद आरोपित पीड़ितों को सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर देता था। उसने इस मामले में फेसबुक की चैट भी डिलीट कर दी और वारदात में इस्तेमाल सिम कार्ड को नष्ट कर दिया था। ठगी की रकम का इस्तेमाल वह निजी खर्च और अपने कर्ज चुकाने में करता था।

मामले में आगे की जांच जारी

पुलिस ने आरोपित के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन और ठगी की रकम से जुड़े बैंक दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उसने कितने लोगों को इसी तरीके से निशाना बनाया और ठगी की रकम के लेनदेन में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं। मामले में आगे की जांच जारी है।

कांग्रेस नेता का हृदय परिवर्तन हो गया' राहुल गांधी के 'वुमन पावर' वाले वीडियो पर रिजिजू का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के महिला सशक्तिकरण पर वीडियो संदेश पर निशाना साधा। रिजिजू ने राहुल के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे सकारात्मक संदेश बताया और आश्चर्य व्यक्त करते हुए तंज कहा कि क्या उनका हृदय परिवर्तन हुआ है। शुक्रवार के एक वीडियो में राहुल गांधी ने कहा था कि महिलाओं को बातचीत में वापस लाना और उन्हें वह करने देना जो वे करना चाहती हैं जरूरी है।

राहुल ने महिला सशक्तिकरण की कही बात: राहुल ने कहा था कि महिलाओं एनर्जी फंसी हुई है, उन्हें खुद को एक्सप्रेस करने की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता है जब तक महिलाओं खुद को एक्सप्रेस न करें। भारत पुरुषों द्वारा महिलाओं पर लगाए गए कड़े कंट्रोल से आजादी चाहता है। राहुल के वीडियो पर जवाब देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि यह कांग्रेस की तरफ से एक पॉजिटिव मैसेज लगता है। महिलाओं को लेकर राहुल गांधी जी के दिल में साफ बदलाव दिख रहा है। इसी के साथ किरेज रिजिजू ने तंज कसते हुए एक सवाल भी दागा। उन्होंने आगे कहा कि अब, मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण बिल का बिना शर्त सपोर्ट करेगी।

मैंने बेंगलुरु भेजे 25 बांग्लादेशी, टारगेट पर नेता', दुबई में रह रहे युवक ने वीडियो जारी कर पुलिस को दी चुनौती

बेंगलुरु, एजेंसी। दुबई में होटल मजदूर के रूप में काम कर रहे एक युवक ने सोशल मीडिया पर एक उकसावे वाला वीडियो पोस्ट कर कर्नाटक पुलिस, खासकर बेंगलुरु पुलिस को चुनौती दी है। वीडियो में उसने दावा किया कि उसने बेंगलुरु में 25 बांग्लादेशियों को भेजा है और पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पाएगी। आरोपी की पहचान मांड्या जिले के कृष्णराजपेट तालुक के किक्केरी गांव के संतोष कुमार के रूप में हुई है। गुरुवार सुबह उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो डाला, जिसमें कहा कि कर्नाटक पुलिस, अगर तुममें दम है तो उन्हें ढूंढो। मैंने बेंगलुरु में 25 बांग्लादेशी भेजे हैं। तुम उन्हें पकड़ नहीं सकते। इतने दिनों से कोई भी उन्हें ट्रेस नहीं कर पाया। आगे कहा कि मैंने सिर्फ पुलिस और नेताओं को टारगेट किया है। वे तुम्हारे घरों में घुसकर तुम्हारी पत्नियों और बच्चों के साथ जो चाहेंगे वो करेंगे। उनके पास न आईडी कार्ड है, न पता। मैंने उनके लिए सारे इंतजाम कर दिए हैं। अगर तुम उन्हें ढूंढ लो तो मैं अपना पता दे दूंगा, तुम जो चाहो कर लो। यह वीडियो अपनी उकसावे भरी भाषा, पुलिस को दी गई सीधी चुनौती और नेताओं के जिक्र के कारण सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के साइबर क्राइम पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गुरुवार को केस दर्ज किया और शाम तक आरोपी की पहचान कर ली। पुलिस संपर्क करने के बाद संतोष ने मूल वीडियो डिलीट कर दिया और बाद में माफी मांगते हुए नया वीडियो अपलोड किया।

युवक ने बाद में मांगी माफी: माफी वाले वीडियो में उसने कहा कि मैंने सुबह बांग्लादेशियों के बारे में वीडियो डाला था। मैंने पुलिस के बारे में बहुत गलत बातें कहीं। मैं माफी मांगता हूं। इस बार माफ कर दें। आगे ऐसा नहीं करूंगा। मैं इसलिए गुस्से में था क्योंकि बेंगलुरु में बहुत सारे बांग्लादेशी आ रहे हैं और उनके खिलाफ या उन्हें वापस भेजने के लिए कोई कार्रवाई नहीं हो रही। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर सीमंत कुमार सिंह ने कहा कि साइबर सेल ने इस मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी फिलहाल विदेश में काम कर रहा है। उसे भारत वापस भेजने और गिरफ्तार करने के प्रयास चल रहे हैं।

माओवादी साहित्य डाउनलोड करना अपराध नहीं, कोर्ट ने टाटा इंस्टीट्यूट के सात छात्रों को जमानत दी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के सात छात्रों को अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि दिवंगत दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जीएन साईबाबा को श्रद्धांजलि देने वाले कार्यक्रम में भाग लेना या माओवादी लेखकों की किताबें डाउनलोड करना मात्र अपराध नहीं है। साईबाबा को यूएपीए मामले में बरी कर दिया गया था। हालांकि, अदालत ने दो अन्य छात्रों अभिरूप पॉल (32) और कामख्या दास (23) की याचिकाएं खारिज कर दीं। पुलिस का आरोप है कि उनके पास माओवादी विचारधारा वाले सामग्री मिली, कुछ डेटा डिलीट किया गया, उन्होंने सहयोग नहीं किया और हिरासत में पूछताछ जरूरी है। इन नौ छात्रों ने 15 अक्टूबर 2025 को अदालत का रुख किया था। तीन दिन पहले परिसर में साईबाबा की पहली पुण्यतिथि पर अनधिकृत कार्यक्रम आयोजित करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। साईबाबा पर माओवादियों से संबंध रखने का आरोप लगा था और वे नागपुर जेल में करीब एक दशक रहे थे। मार्च 2024 में सभी आरोपों से बरी होने के बाद उसी साल उनकी मृत्यु हो गई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वीबी बोहरा ने कहा कि साईबाबा को श्रद्धांजलि देना अवैध नहीं माना जा सकता। लेकिन छात्रों का कथित आचरण सिर्फ श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं था, क्योंकि उमर खालिद और शरजील इमाम (जो यूएपीए के तहत मुकदमे का सामना कर रहे हैं) की रिहाई की मांग वाले नारे लगाए गए। अदालत ने कहा कि यह ऐसे नारे लगाने का मंच नहीं था। छात्रों से देश के कानून का सम्मान करने की उम्मीद थी।' छात्रों ने ऐसे नारे लगाने से इनकार किया है। अभिरूप पॉल और कामख्या दास को राहत इसलिए नहीं मिली क्योंकि अभियोजन पक्ष का दावा है कि उनके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में सीपीआई (माओवादी) के सदस्यों द्वारा प्रकाशित किताबें मिलीं, कुछ सामग्री डिलीट की गई और यह कथित तौर पर देश के विभाजन जैसी अवैध गतिविधियों में मददगार थी। एक गवाह को धमकी दिए जाने का भी जिक्र है। अदालत ने कहा कि माओवादी संगठन की किताबें मात्र डाउनलोड करना अपराध नहीं है, लेकिन पॉल ने किताबें डाउनलोड करने के साथ कई जगहों पर फील्डवर्क भी किया। ये किताबें सरकार द्वारा प्रतिबंधित नहीं हैं, लेकिन कथित तौर पर भारत के विभाजन को उकसाती या मदद करती हैं।

दुश्मनों से बात हो सकती है तो पड़ोसी राज्य से क्यों नहीं', कावेरी विवाद पर बोले सीएम विजय

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय ने शुक्रवार को कहा कि कावेरी नदी के जल बंटवारे के मुद्दे पर सकारात्मक परिणाम की उम्मीद के मद्देनजर उन्होंने पड़ोसी कर्नाटक से बातचीत का प्रस्ताव दिया था। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा उठाए गए कावेरी मुद्दे के जवाब में विजय ने बताया कि तमिलनाडु ने 1969 से इस मुद्दे को कैसे संभाला है, संवाद से लेकर कानूनी उपायों तक। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार कावेरी मुद्दे को कानूनी तरीके से निपटाने के लिए दृढ़ है और इसमें कोई बदलाव नहीं है। विधानसभा में पूर्व विपक्ष के नेता पीजी करुथीरुमन का हवाला देते हुए कहा, 'कावेरी मुद्दे को बहुत सावधानी से संभालने की आवश्यकता है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को हल करने के लिए बेंगलुरु जाने और बातचीत करने का प्रयास करने का सोचा, सकारात्मक परिणाम की उम्मीद करते हुए।

अपमान सहने के लिए भी तैयार: विजय ने कहा कि कावेरी पर बातचीत करने के प्रयास में तमिलनाडु के लोगों के लिए वह 'अपमान सहने के लिए तैयार' थे। उन्होंने सकारात्मक विचारों के साथ कर्नाटक जाने का प्रयास किया।

दुश्मन देश भी मुद्दों को सुलझाने के लिए संवाद करते हैं: उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा कि अगर पड़ोसी राज्य से बातचीत होती है, तो क्या होगा, क्योंकि शत्रु राष्ट्र भी मुद्दों को हल करने के लिए संवाद करते हैं।' उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने इस योजना के बारे में कई लोगों से राय ली है।

दिल्ली में एच1एन1 वायरस से दो सगी बहनों की मौत, तेजी से बढ़ते मामलों को लेकर सावधानी बरतने की सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एच1एन1 (फ्लू का एक प्रकार, जो सांस के जरिए फैलता है) के बढ़ते मामलों के बीच एक निजी अस्पताल में तीन दिन के अंदर दो सगी बहनों की मौत का मामला सामने आया है। तीन साल 11 महीने की छोटी बहन को तीन अगस्त को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। वहीं, जांच में एच1एन1 की पुष्टि हुई। एमआरआई जांच में उसके मस्तिष्क में एक्यूट नेक्रोटाइजिंग एन्सेफैलोपैथी (एएनईसी) के संकेत मिले। यह फ्लू के बाद होने वाली बहुत कम मामलों में होने वाला गंभीर प्रभाव है, जिसमें मस्तिष्क पर असर पड़ सकता है। इलाज के बावजूद पांच अगस्त की सुबह 5:10 बजे बच्ची की मौत हो गई। परिवार के अनुसार, बड़ी बहन की मौत इससे तीन दिन पहले हुई थी। उसमें भी तेज बुखार और सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण थे। हालांकि बड़ी बहन में एच1एन1 की जांच से संक्रमण की

अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

विशेष सावधानी बरतने की सलाह: दिल्ली में इस साल अब तक 1,349 एच1एन1 के मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सरकार स्थिति पर नजर रख रही है और सरकारी अस्पतालों में इलाज की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को संक्रमण से विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

2024 में मिले थे 3,151 मामले: एच1एन1 के मामले 2021 में 92, 2022 में 442, 2023 में 209 और 2024 में बढ़कर 3,151 हो गए थे। पिछले साल दिल्ली में फ्लू के करीब 4,000 मामले आए थे और इनमें ज्यादातर एच3एन2 (फ्लू का एक अन्य प्रकार) के मामले थे। इस वर्ष एच1एन1 के मामले अधिक मिल रहे हैं। सफदरजंग अस्पताल में जुलाई में एच1एन1 के 11 मरीज मिले थे। अगस्त में भी मरीज पहुंचे हैं। निजी अस्पतालों में भी फ्लू के मरीज बढ़ रहे हैं। पीएसआरआई के डॉ. जीसी खिलनानी के अनुसार, उनके अस्पताल में एच1एन1 के मामले करीब चार गुना बढ़े हैं। कुछ मरीजों को फेफड़ों में गंभीर संक्रमण होने पर आइसीयू में भर्ती करना पड़ा।

तेज बुखार के साथ इन लक्षणों पर रहें सावधान: एच1एन1 में तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द, थकान और ठंड लगना आम लक्षण हैं। कुछ मरीजों को उल्टी और दस्त भी हो सकते हैं। गंभीर होने पर सांस लेने में परेशानी और फेफड़ों में संक्रमण हो सकता है। बच्चों में बहुत कम मामलों में इसका असर मस्तिष्क पर भी पड़ सकता है। बहुत ज्यादा सुस्ती, बेहोशी, दौरे, सांस लेने में परेशानी या हालत लगातार बिगड़ना खतरे के संकेत हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और मधुमेह, हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों को अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

साफ-सफाई और मास्क से बचाव: हाथ साबुन से नियमित धोएं। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढकें।

पक्षियों में 8वां सुर...1.16 लाख आवाजों के डाटा से वैज्ञानिकों ने खोला राज

पेरिस, एजेंसी। कोयल की सुरीली आवाज हर किसी का मन मोह लेती है। दुनियाभर में पक्षियों की ऐसी हजारों प्रजातियां पाई जाती हैं जिनकी आवाज एकदम संगीतमय होती है। आखिर, इनके गीत कैसे बनते हैं? हाल ही में एक नए अध्ययन में पता चला कि संगीत के सात सुरों की तरह पक्षियों के गाने मूलत~ आठ प्रकार की ध्वनियों पर केंद्रित होते हैं।वैज्ञानिकों ने यह शोध दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों की 3,000 से अधिक सॉन्गबर्ड यानी पैसिरीन प्रजाति के पक्षियों पर किया जो, कुल पक्षी प्रजातियों का 60त्न हिस्सा हैं। साइंस मैगजीन में प्रकाशित यह दिलचस्प अध्ययन ने पक्षियों की

आवाज से जुड़े और राज भी खोलता है। जैसे कैसे समय के साथ इन सुरों में बदलाव आया।अध्ययन बताता है कि बुनियादी ध्वनियां करोड़ों वर्ष पहले शुरुआती पूर्वजों के समय ही विकसित हो गई थीं और 82त्न पैसिरीन पक्षियों के वंश के विकसित होने के साथ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहीं। शोध मुख्य रूप से फ्रांस के वैज्ञानिकों की एक टीम ने किया, जिसमें सेंट-एटिफ यूनिवर्सिटी और मोंटपेलियर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता शामिल थे। हालांकि, इसके लिए किसी लैब या क्षेत्र में पक्षियों के गाने को रिकॉर्ड नहीं किया है। बल्कि कम्युनिटी साइंस डाटाबेस का इस्तेमाल कर दुनियाभर के 3,160 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के 1,16,000 से ज्यादा गानों का डिजिटल डाटा जुटाया गया व उसका विश्लेषण किया।तीन प्रकार की सीटियां व तीन प्रकार के ट्रिल्स खासआठ मूलभूत ध्वनियों में तीन प्रकार की सीटियां और तीन प्रकार के ट्रिल्स शामिल होते हैं।

कागजी समझौता सुरक्षा नहीं देगा: पाक-सऊदी तुर्किये रक्षा समझौते पर ईरान ने कसा तंज

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के नए रक्षा समझौते पर सवाल उठाए हैं। ईरान की संसद और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग के एक सदस्य ने कहा कि समझौता होने के बावजूद इससे सऊदी अरब को लंबे समय की सुरक्षा की गारंटी नहीं मिलेगी। ईरान की संसद और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग के सदस्य इब्राहिम रजाई ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए नए रक्षा समझौते की आलोचना की। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर हो जाने के बावजूद इससे सऊदी अरब की सुरक्षा लंबे समय तक सुनिश्चित नहीं होगी। इब्राहिम रजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

इस रक्षा समझौते पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, सऊदी लोगों को यह समझना चाहिए कि तुर्किये और पाकिस्तान के साथ कागज पर किया गया समझौता उन्हें सुरक्षा नहीं देगा। जिस तरह कई वर्षों तक अमेरिका का एकतरफा साथ देने से भी उन्हें सुरक्षा नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि अगर सऊदी अरब अपनी नीतियों में बदलाव करता है, तो उसे सुरक्षा के लिए दूसरे देशों से गिड़गिड़ाकर मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे पहले दिन में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते नाम से एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इसका मकसद तीनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को मजबूत करना है।

रूस पर यूएस लगाएगा प्रतिबंध: सीनेट में ग्राहम को बड़ी सफलता, बिल 86-11 के बहुमत से मंजूर

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका अब रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की दिखा में ठोस पहल कर सकता है। सीनेट में लिंडसे ग्राहम की तरफ से शुरू किया गया अभियान आज अंजाम तक पहुंच गया। ये बड़ी सफलता इसलिए भी है क्योंकि अपने जीवनकाल में रूस पर प्रतिबंध से जुड़ा बिल पारित कराने का प्रयास करने वाले ग्राहम अब इस दुनिया में नहीं हैं, और सीनेट में विधेयक को 86-11 के बहुमत से मंजूरी मिली है। माना जा रहा है कि रूस पर प्रतिबंध लगने से यूक्रेन को लाभ मिलेगा। विधेयक में शुल्क भाषा बदलने के लिए एक संशोधन भी पेश किया गया। हालांकि, मतदान के बाद इसे पारित नहीं कराया जा सका। सीनेटर राफेल वार्नॉक ने एक संशोधन का प्रस्ताव रखा था, जिसे ग्रीर के लिखित वादे के बाद वापस ले लिया गया। ब्लुमेंथल ने अपने सहयोगियों की चिंताओं का खंडन करते हुए कहा कि शुल्क लगाने का अधिकार

बारीकी से तैयार और सीमित है।क्या अब पुतिन पर दबाव बनाएगा अमेरिका?दरअसल, अमेरिका ने बीते साढ़े चार वर्ष से जारी संघर्ष के दौरान रूस पर नकेल कसने के कई प्रयास किए हैं। ट्रंप प्रशासन यूक्रेन की अक्सर मदद करता रहा है। ऐसे में अब सीनेट से बिल को मिली स्वीकृति के बाद रूस को कितना नुकसान और यूक्रेन को कितना लाभ होगा, ये देखना बेहद दिलचस्प होगा। समाचार एजेंसी एएनआई पर आई सूचना के मुताबिक अमेरिकी सीनेट में शुक्रवार दोपहर (स्थानीय समय) भारी बहुमत से जिस विधेयक को मंजूरी मिली है, इसका मकसद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाना है।ग्राहम का लंबा अभियान, यूक्रेन को लेकर क्या रूख?रूस पर कड़े प्रतिबंध संबंधी नियम के लिए सीनेटर लिंडसे ग्राहम एक साल से अधिक समय से अभियान चला रहे थे। उन्होंने मुखरता से इस बात का समर्थन किया था कि अमेरिका को यूक्रेन का मजबूती से समर्थन करना चाहिए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, यह द्विदलीय विधेयक सीनेट से 86-11 के बहुमत से पारित हुआ। इसमें उन देशों को दंडित करने का प्रस्ताव है जो रूस से तेल, गैस जैसी चीजों का व्यापार करते हैं। अन्य वस्तुओं का निर्यात जारी रखने पर भी दंड का प्रस्ताव किया गया है। सीनेट में लिंडसे ग्राहम की विरासत को सम्मानअमेरिकी सीनेट ने जिस विधेयक पर मुहर लगाई है, इसका नाम दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम के नाम पर रखा गया है। ग्राहम ने इस कानून पर एक साल से अधिक समय तक चली कठिन बातचीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब इस विधेयक को प्रतिनिधि सभा (कांग्रेस) में मतदान के लिए भेजा जाएगा। फिलहाल यूएस कांग्रेस सितंबर तक अवकाश पर है।किस आधार पर विधेयक का विरोध हुआ?डेमोक्रेट और कुछ रिपब्लिकन ट्रंप को आयात पर टैरिफ लगाने का व्यापक अधिकार देने से हिचकिचा रहे थे। ऐसा इसलिए क्योंकि बीते कुछ हफ्ते अमेरिका वस्तुओं की कीमतें बढ़ने और महंगाई की मार से भी जूझता रहा है। ट्रंप को अधिकार देने से परहेज करते हुए सीनेटर्स ने मुद्रास्फीति और अमेरिकियों के दैनिक जीवनयापन में अधिक खर्च का जिक्र किया। बिल के खिलाफ मतदान करने वाले ज्यादातर सीनेटर प्रगतिशील डेमोक्रेट रहे। उन देशों को छूट मिलेगी जो रूस के कुल प्राकृतिक गैस निर्यात का 15 फीसदी से कम आयात करते हैं। उन्हें भी छूट मिलेगी जो देश जो रूसी प्राकृतिक गैस के उपयोग को कम करने के लिए काम कर रहे हैं।विधेयक के साथ ग्राहम की इतनी चर्चा क्यों?दरअसल, अपनी मृत्यु से एक दिन पहले, ग्राहम ने यूक्रेन की राजधानी कीव की सड़कों पर टैंकों के सामने खड़े होकर बताया था कि प्रशासन और विधेयक के प्रमुख सीनेट समर्थकों के बीच समझौता हो गया है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

योजनाओं की मॉनिटरिंग और आवेदनों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण पर जोर, शुक्रवार को क्षेत्र भ्रमण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रथम शिविर की समीक्षा मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की उन्होंने विभिन्न जिलों से अभियान की प्रगति, शिविरों में आमजन के अनुभव और प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति का फीडबैक लिया मुख्य सचिव ने कहा कि प्रथम शिविर से मिले अनुभवों के आधार पर आगामी शिविरों की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार किए जाएं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों के निराकरण में हुए अच्छे कार्य की सराहना करते हुए अब आवेदनों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने तथा शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की शुरुआत प्रदेश में अच्छी हुई है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए सराहनीय कार्य किया है। आगामी शिविरों में विकासखंड को इकाई बनाकर कार्य किया जाए। शिविरों में कलेक्टर सहित जिला स्तरीय अधिकारी आमजन से सीधे संवाद करें और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए मुख्य सचिव ने उद्योग संवाद को अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर सफल उद्यमियों तथा स्वसहायता समूहों को शिविरों से जोड़ने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि ऐसे संवाद से स्थानीय लोगों को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसरों की जानकारी मिल सकेगी। उन्होंने कलेक्टरों को आगामी दो माह के लिए शिविरों की तिथियां निर्धारित कर उनका व्यापक प्रचार-प्रसार कराने को कहा। साथ ही सभी महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधियों को शिविरों की तिथियों की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए शिविरों में लंबित आवेदनों के साथ मौके पर प्राप्त होने वाले नए आवेदनों का भी यथासंभव निराकरण करने पर जोर दिया गया मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन की कठिनाइयों को दूर करना और उन्हें शासकीय योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाना है। इसके लिए केवल शिविरों तक सीमित रहने के बजाय मैदानी स्तर पर योजनाओं की निगरानी जरूरी है उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रत्येक शुक्रवार क्षेत्र का भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी जिले में शुक्रवार को शिविर एक विकासखंड में आयोजित हो रहा है, तब भी अन्य विकासखंडों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति का जायजा लें। इससे शासन की योजनाओं की जमीनी स्थिति की वास्तविक जानकारी अधिकारियों को मिल सकेगी और जरूरत के अनुसार तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित जिला भ्रमण की तैयारियां: मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित जिला भ्रमण को लेकर भी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी प्रकार का सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित नहीं होगा। मुख्यमंत्री जिला स्तर पर आयोजित शिविर में शामिल होंगे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्धजनों से भेंट तथा सफल स्थानीय उद्यमियों से संवाद के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए मुख्यमंत्री द्वारा ली जाने वाली समीक्षा बैठक और विभिन्न संस्थाओं के निरीक्षण की तैयारियां भी समय पर पूरी करने को कहा गया। समीक्षा बैठक में कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान से संबंधित समस्त जानकारी प्रस्तुत की जाएगी। इसमें अभियान की प्रगति, आवेदनों के निराकरण और योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति सहित संबंधित बिंदुओं की जानकारी शामिल रहेगी।

कार में छिपाकर ले जा रहे थे नशीली कफ सिरप, रीवा में 14 लाख का माल जब्त

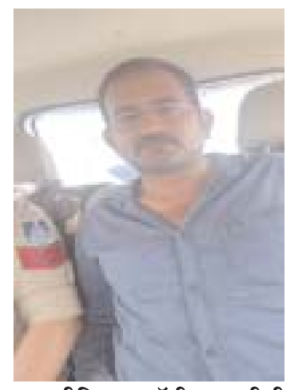

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मनगवां पुलिस ने अवैध नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने लग्जरी कार से 1410 शीशी आनरेक्स कफ सिरप बरामद की है पुलिस के अनुसार जब्त सिरप, कार और मोबाइल की कुल कीमत करीब 13 लाख 93 हजार 410 रुपए है थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा के अनुसार 8 अगस्त की रात पुलिस टीम गश्त पर थी। सुबह करीब 3.40 बजे इटार-गुढ़ रोड पर एक सफेद रंग की कार तेज रफ्तार से जाती दिखाई दी। पुलिस को देखकर चालक कार लेकर सीतापुर रोड की ओर निकल गया संदेह होने पर पुलिस टीम ने कार का पीछा किया और मनिकवार निवासी सतेंद्र सिंह के घर के पास घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया पुलिस ने चालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम रावेन्द्र सिंह पटेल उर्फ पप्पू (40), निवासी बाणसागर कॉलोनी रीवा बताया कार की तलाशी लेने पर सीट के नीचे, सीट पर और डिग्गी में बड़ी मात्रा में आनरेक्स कफ सिरप मिली। पुलिस ने सभी शीशियों को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

13.93 लाख की जब्ती: पुलिस के मुताबिक 1410 शीशी आनरेक्स कफ सिरप की कीमत 2 लाख 83 हजार 410 रुपए है। इसके अलावा करीब 11 लाख रुपए कीमत की कार (एमपी-17-जेडएफ-1787) और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। इस तरह कुल जब्ती करीब 13 लाख 93 हजार 410 रुपए की बताई गई है पुलिस अब आरोपी से नशीली कफ सिरप की सप्लाई और इससे जुड़े नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि सिरप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

गुप्त गोदावरी में 'बेल का खेल'! श्रद्धालुओं से जबरन पूजा सामग्री खरीदवाने का आरोप

प्रवेश द्वार पर रोककर बेल-बेलपत्र खरीदने का दबाव

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण गुप्त गोदावरी की प्राचीन गुफाओं में श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं आरोप है कि गुफा के प्रथम प्रवेश द्वार पर ही श्रद्धालुओं को रोककर बेल और बेलपत्र खरीदने के लिए दबाव बनाया जाता है श्रद्धालुओं का कहना है कि पूजा सामग्री खरीदना उनकी इच्छा पर निर्भर होना चाहिए लेकिन प्रवेश के समय ही उन्हें 10 रुपये में बेल-बेलपत्र लेने के लिए कहा जाता है। श्रद्धालुओं के अनुसार गुफा के भीतर पूजा के लिए बेलफल और बेलपत्र ले जाना हो या नहीं, प्रवेश द्वार पर मौजूद दुकानदारों के दबाव के कारण कई लोगों को खरीदारी करनी पड़ती है इससे धार्मिक स्थल पर आस्था के नाम पर कथित तौर पर अनावश्यक वसूली का सवाल खड़ा हो रहा है।

पूजा के बाद बेलफल दोबारा बिक्री का आरोप: सबसे गंभीर सवाल गुफा के अंदर चढ़ाए जाने वाले बेलफलों को लेकर उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि पूजा के बाद कुछ बेलफल दोबारा दुकानदारों तक पहुंच जाते हैं और फिर उन्हें अगले श्रद्धालुओं को बेच दिया जाता है हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कई पुराने और सूखे दिखाई देने वाले बेलफलों को लेकर श्रद्धालुओं में सवाल जरूर हैं श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि पूजा में चढ़ाए गए फल दोबारा बिक्री के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं तो इसकी व्यवस्था और निगरानी स्पष्ट होनी चाहिए धार्मिक स्थल पर पूजा सामग्री की बिक्री को लेकर पारदर्शिता जरूरी है, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था प्रभावित न हो।

निर्धारित स्थान के बजाय प्रवेश द्वार पर दुकान?: बताया जा रहा है कि नगर परिषद की ओर से फूल-माला और अन्य पूजा सामग्री की दुकान लगाने के लिए गुफा कार्यालय के पास नीचे स्थान निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद आरोप है कि संबंधित ठेकेदार द्वारा प्रवेश द्वार के पास ही दुकान संचालित की जा रही है यहां दुकान लगने से श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होती है और गुफा में प्रवेश करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है खासकर भीड़भाड़ के समय प्रवेश द्वार पर दुकान और श्रद्धालुओं की आवाजाही के कारण व्यवस्था प्रभावित होने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि दुकान के लिए स्थान निर्धारित है तो प्रवेश द्वार पर दुकान संचालन की अनुमति किस आधार पर दी गई?

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, सफलता की नई उड़ान का संकल्प

पढ़ाई के साथ संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति भी जरूरी : प्रभारी मंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़रिया में आयोजित मेधावी छात्र अलंकरण समारोह में प्रदेश एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा केवल अच्छे अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य को दिशा देने का आधार है पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और जिम्मेदारी की भावना विकसित होना भी जरूरी है प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश के भविष्य के निर्माता हैं। उनमें अपार प्रतिभा और ऊर्जा है। जरूरत इस बात की है कि वे अपनी ऊर्जा को सही दिशा देते हुए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और उसे हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत, दृढ़ इच्छाशक्ति और अनुशासन के साथ आगे बढ़ें उन्होंने कहा कि सम्मान केवल उपलब्धि का प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य में और बेहतर करने की प्रेरणा भी है विद्यार्थियों को अपनी सफलता को अंतिम मंजिल न मानकर नई शुरुआत के रूप में लेना चाहिए उन्होंने शिक्षा में संस्कारों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञान व्यक्ति को सक्षम बनाता है, जबकि संस्कार उस ज्ञान का सही दिशा में उपयोग करना सिखाते हैं। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता, सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध का विकास आवश्यक है। उन्होंने गुरु की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं इसलिए विद्यार्थियों को माता-पिता के साथ गुरुजनों का भी सम्मान करना चाहिए समारोह में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली अनन्या वर्मा तथा नौवां स्थान प्राप्त करने वाली अनन्या विश्वकर्मा सहित जिला प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल करने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया प्रभारी मंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। लक्ष्य स्पष्ट होने पर मेहनत की दिशा भी स्पष्ट रहती है उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और ईमानदारी, लगन एवं निरंतर परिश्रम के साथ उन्हें पूरा करने का आह्वान किया कार्यक्रम की अध्यक्षता पुष्पराज सिंह परिहार ने की। उन्होंने कहा कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि अनुशासन, निरंतर परिश्रम और अच्छे संस्कारों से प्राप्त होती है कार्यक्रम में विजय सिंह परिहार ने स्वागत भाषण दिया। विद्यालय का प्रतिवेदन द्वारिका प्रसाद गुप्ता एवं सुरेंद्र मणि दुबे ने प्रस्तुत किया। उपेंद्र सिंह बघेल ने आभार व्यक्त किया। समारोह में विद्यालय परिवार, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खनन प्रभावितों के बेहतर इलाज के लिए सीधी में बनेगा अत्याधुनिक 'माइनिंग हॉस्पिटल'

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खनन गतिविधियों से प्रभावित लोगों को बेहतर और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सीधी जिले में अत्याधुनिक 'माइनिंग हॉस्पिटल' स्थापित किया जाएगा। जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) के माध्यम से प्रस्तावित इस अस्पताल में विशेष रूप से श्वसन संबंधी बीमारियों के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण और दक्ष चिकित्सकों की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। अस्पताल के लिए गोल मार्केट के निकट स्थल का चिन्हांकन कलेक्टर एवं संबंधित विभागों के दल ने कर लिया है जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मंडल की बैठक में माइनिंग हॉस्पिटल को डीएमएफ के प्राथमिकता वाले प्रस्तावों में शामिल किया गया बैठक में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सीधी रीती पाठक, विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों में डीएमएफ की राशि के प्रभावी एवं जनहितकारी उपयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई बैठक में जिला खनिज प्रतिष्ठान नियम-2016 में 14 मई 2026 को किए गए संशोधन के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। इसके बाद स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं दिव्यांगजन कल्याण, कृषि, पशुपालन, आवास एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों की प्राथमिकता तय करने पर विचार हुआ स्वास्थ्य क्षेत्र में माइनिंग हॉस्पिटल के अलावा जिला अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए प्रतीक्षालय तथा महिलाओं के ठहरने के लिए बाथरूम अटैच्ड हॉल बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया शिक्षा एवं पेयजल के क्षेत्र में शासकीय छात्रावासों और खनन बस्तियों में पेयजल व्यवस्था, भवनविहीन शालाओं के लिए सामुदायिक भवन तथा कलेक्ट्रेट परिसर में निर्माणाधीन डिजिटल लाइब्रेरी के लिए फर्नीचर एवं पुस्तकों की व्यवस्था पर चर्चा हुई बहरी एवं कुसमी में शासकीय आवासीय परिसर विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। कृषि एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए समदा कृषि फार्म को मॉडल कृषि फार्म के रूप में विकसित करने तथा विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मुर्गीपालन, बकरीपालन और दुग्धपालन के लिए शेड निर्माण पर विचार किया गया कलेक्ट्रेट परिसर में दीदी कैफे के माध्यम से स्वसहायता समूह की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने, युवाओं के लिए अग्निवीर रैली एवं प्रशिक्षण तथा जिला मुख्यालय में कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव भी सामने आए बैठक में दिव्यांग विद्यार्थियों को आवश्यक उपकरण एवं स्कूटी, रामपुर नैकिन बस स्टैंड में यात्री प्रतीक्षालय तथा धार्मिक स्थलों एवं बड़ी ग्राम पंचायतों में कचरा निपटान के लिए कचरा वाहन उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। सीधी आईटीआई के पास नगर वन/स्मृति वन विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। जनप्रतिनिधियों ने डीएमएफ के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने और देरी के कारणों की समीक्षा कर जिम्मेदारी तय करने पर जोर दिया।

खड़िया माइंस में तेज बहाव में फंसा कैंपर वाहन, चालक ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एनसीएल के खड़िया प्रोजेक्ट के माइंस क्षेत्र में शनिवार को भारी बारिश के दौरान एक कैंपर वाहन पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया हादसे के दौरान वाहन चालक ने समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली घटना के बाद माइंस क्षेत्र में बारिश के दौरान वाहनों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं जानकारी के अनुसार कैंपर वाहन अधिकारियों को माइंस एरिया में छोड़ने के बाद वापस कैंप की ओर लौट रहा था इसी दौरान क्षेत्र में तेज बारिश के कारण रास्ते में पानी का बहाव बढ़ गया। चालक सुजीत कुमार ने पानी के बीच से वाहन निकालने का प्रयास किया लेकिन बहाव इतना तेज था कि कैंपर वाहन उसकी चपेट में आ गया और धीरे-धीरे बहने लगा वाहन के अचानक बहने से चालक की स्थिति खतरे में आ गई स्थिति को भांपते हुए चालक सुजीत कुमार ने किसी तरह वाहन से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर अपनी जान बचाई इसके बाद कैंपर पानी के तेज बहाव में बह गया घटना में चालक के सुरक्षित बच जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना ने माइंस क्षेत्र में बारिश के दौरान वाहनों के संचालन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण माइंस क्षेत्र के रास्तों में पानी का बहाव तेज था ऐसे में सवाल उठ रहा है कि मौसम की स्थिति और रास्ते में पानी के बहाव को देखते हुए कैंपर को माइंस क्षेत्र से बाहर निकलने की अनुमति कैसे दी गई माइंस जैसे संवेदनशील क्षेत्र में बारिश के दौरान जलभराव और तेज बहाव की स्थिति में वाहनों की आवाजाही के लिए विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल की जरूरत होती है। यदि चालक समय रहते वाहन से बाहर निकलने में सफल नहीं होता तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी।

9 से 17 अगस्त तक जिलेभर में होंगे विविध आयोजन, घर-घर तिरंगा फहराने और जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के लिए प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने वाला अभियान है। इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ा जाए सीधी प्रवास के दौरान आयोजित बैठक में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सीधी रीती पाठक, विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, कलेक्टर विकास मिश्रा, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, देव कुमार सिंह चौहान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में 9 से 17 अगस्त 2026 तक जिले के सभी विकासखंडों, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की गई प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि घर-घर तिरंगा फहराने के लिए नागरिकों को प्रेरित करने के साथ राष्ट्रीय ध्वज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। अभियान के दौरान तिरंगा रैली, साइकिल एवं ई-बाइक रैली, तिरंगा प्रदर्शनी, रंगोली, तिरंगा सजावट, प्रभात फेरी और देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, युवाओं, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए उन्होंने प्रमुख शासकीय भवनों, विद्यालयों, अस्पतालों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा थीम आधारित सजावट और रोशनी करने को कहा। विभिन्न स्थानों पर तिरंगा रंगोली, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति का वातावरण तैयार करने पर भी जोर दिया गया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन-बान और शान का प्रतीक हैइसलिए अभियान के दौरान तिरंगे की गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाए। नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मानजनक उपयोग और निर्धारित नियमों की जानकारी भी दी जाए। अधिकारियों को अभियान की गतिविधियों की नियमित निगरानी करने तथा सभी कार्यक्रमों को निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक-1066/ई-टेंडर/जोन-01/न.पा.नि./2026 रीवा, दिनांक 07.08.2026

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_527850_1 07.08.2026 [FIRST CALL] 1066/07.08.2026	जोन क्रमांक-01 अतंर्गत वार्ड क्रमांक-01 निपनिया में टाइगर सफारी रोड से फौजी खान जी के घर तक टूटी नाली का निर्माण/मरम्मत कार्य एवं सडक का निर्माण/मरम्मत कार्य।	03माह ₹11.05लाख	₹ 2000.00 ₹ 8288.00	07.09.2026 18 :बजे तक।

नोटः - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री स्वच्छ भारत मिशन
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

जायज जेन-जी

संपादकीय

अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है कि नई पीढ़ी को सुना जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है। हाल ही में जेन-जी आंदोलन के प्रदर्शन के दौरान जो शिकायतें सामने आई हैं, वे जायज हैं। गुरुवार को जेन-जी से जुड़े एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने वाले राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी सहमति बनाने का माध्यम है। हालांकि, विपक्ष ने तंज किया कि उन्हें यह सलाह सरकार को भी देनी चाहिए और यह भी कि आंदोलनकारियों की मांग को इतनी देर से क्यों सुना गया। बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन-जी और जेन-अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है। पहले की पीढ़ी बड़ों की बात मान लेती थी, सवाल नहीं करती थी। लेकिन नई पीढ़ी सवाल करने के साथ ही तर्कसंगत जवाब की आकांक्षा रखती है। निस्संदेह, बहस से कई विचार सामने आते हैं। हर व्यक्ति का अलग दृष्टिकोण होता है। लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि एक ही विषय के कई पहलू सामने आ सकते हैं। यह तय है कि विचार-प्रतिविचार के मंथन से नई दिशा व नई तस्वीर उभरती है। विरोध करना बुरा नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए। भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि विरोध-आंदोलन संविधान की मर्यादा के दायरे में होना भी जरूरी है। समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन उसका लक्ष्य व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए। साथ ही, संघ प्रमुख ने आरक्षण पर भी राय स्पष्ट की कि सामाजिक भेदभाव दूर करने तक आरक्षण की जरूरत होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस सत्य से वाकिफ होने के बावजूद सरकारें क्यों टालमटोल का रवैया अपनाती हैं? यह संवादहीनता की स्थिति क्यों पैदा की जाती है? विडंबना यह है कि सरकारें तब जागती हैं जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। सरकारों को लोकतंत्र में प्रतिरोध के स्वरों का भी सम्मान करना है। लोकतंत्र का आधार जनमत है। जनमत को सुना जाना चाहिए। आमतौर पर नागरिक तब ही सड़कों पर उतरते हैं जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। ऐसे में, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और असहमति के स्वरों पर ध्यान देने की जरूरत है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस को बताया जाए कि राष्ट्रविरोधियों और जायज मांगों के लिए आंदोलन कर रहे लोगों को एक ही लाठी से नहीं हांका जा सकता। खासकर, जेन-जी पर शक्ति प्रयोग असंतोष को उग्र बनाना ही है। सत्ताधीशों को इस बात का भान होना चाहिए कि असहमति और शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से लोकतंत्र जीवंत होता है। सत्ता की उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये से आंदोलन की जमीन तैयार होती है। कालांतर में हठधर्मिता से यह आक्रोश को ही बढ़ाता है। सत्ताधीशों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में लोग अपनी बात सुनाने के लिए आंदोलन को विकल्प के तौर पर अपनाते हैं। ऐसे ही नीट प्रश्नपत्र मुद्दे पर समय रहते वे कदम पहले ही उठा लिए जाते, तो आंदोलन को व्यापक होने से टाला जा सकता था। अक्सर संवादहीनता की स्थिति में आंदोलन में राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं। निहित स्वार्थी तत्व इसमें अवसर तलाशने लगते हैं, जिससे आंदोलन की दिशा नियंत्रित नहीं रह सकती है। यही वजह है कि एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि युवाओं के गुस्से को शांत करने के लिए बातचीत जरूरी विकल्प है। निश्चित ही, पुलिस को भी संवेदनशील बनाने की जरूरत है। आशा है, भागवत की सलाह पर सरकारें ध्यान देंगी।

असहमति से असहिष्णुता तक

हरबंश दीक्षित

संविधान सभा स्वतंत्र भारत के संविधान को अंतिम रूप देने के ऐतिहासिक क्षण के निकट थी। तब डा. भीमराव आंबेडकर ने एक ऐसी चेतावनी दी थी, जिसकी प्रतिध्वनि आज भी सुनाई देती है। उन्होंने कहा था कि जब संवैधानिक उपाय उपलब्ध हों, तब उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए असंवैधानिक रास्तों का कोई औचित्य नहीं रह जाता। लगभग आठ दशक बाद इस चेतावनी को नए संदर्भ में पढ़ने की आवश्यकता है। आज प्रश्न यही नहीं है कि हम असहमति कैसे व्यक्त करें। उससे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम दूसरे की असहमति को भी उतनी ही सहजता से स्वीकार कर सकते हैं, जितनी दृढ़ता से अपनी असहमति व्यक्त करने का अधिकार चाहते हैं? यहीं से आज के लोकतांत्रिक विमर्श की एक गंभीर चिंता उपजती है। आंदोलन लोकतंत्र के लिए अपरिचित नहीं हैं। भारत का स्वतंत्रता संग्राम स्वयं जन–आंदोलनों की महान परंपरा से निकला है। स्वतंत्र भारत में भी आंदोलनों ने शासन को नागरिकों की अपेक्षाओं के प्रति सजग किया है, अनेक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया है और हाशिए की आवाजों को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र तक पहुंचाया है। इसलिए आंदोलन को लोकतंत्र की कमजोरी मानना उचित नहीं होगा। शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण है। गांधी जी की पूरी राजनीतिक पद्धति में साधन की शुचिता को लक्ष्य की पवित्रता जितना ही महत्व मिला। इसीलिए गांधीवादी असहमति प्रतिद्वंद्वी को नष्ट करने के बजाय उसके अंत:करण से संवाद करने का प्रयास करती थी। लोकतंत्र का संस्कार भी कुछ ऐसा ही है। मैं आपसे असहमत हूं, इसलिए आपका विरोध कर सकता हूं, लेकिन केवल इसलिए आपकी गरिमा, आपके अधिकार और आपकी लोकतांत्रिक वैधता को अस्वीकार नहीं कर सकता। यह सिद्धांत सत्ता और आंदोलनकारियों, दोनों पर समान रूप से लागू होता है। सत्ता यदि प्रत्येक असहमति को शत्रुता अथवा अवज्ञा मानने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद कमजोर होता है। उसी प्रकार आंदोलनकारी यदि प्रत्येक असहमत नागरिक को सत्ता का समर्थक या अपने संघर्ष का विरोधी मान लें, तो आंदोलन की लोकतांत्रिक नैतिकता प्रभावित होती है। लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाने का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, दूसरे की आवाज सुनने का संस्कार भी उतना ही आवश्यक है। आज सार्वजनिक जीवन में यही संतुलन विशेष महत्व रखता है। इंटरनेट मीडिया ने प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व मंच दिया है, लेकिन उसने त्वरित प्रतिक्रियाओं, आरोपों और वैचारिक ध्रुवीकरण को भी बढ़ाया है। कई बार हम तर्क सुनने से पहले व्यक्ति की पहचान देखते हैं और विचार पढ़ने से पहले यह तय कर लेते हैं कि वह किस 'पक्ष' का है। परिणाम यह होता है कि बहस सत्य की खोज से हटकर अपने–अपने खेमे की विजय का माध्यम बनने लगती है। यहीं से लोकतंत्र के लिए सबसे गंभीर संकट पैदा होता है–भरोसे का संकट। लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि वह हमें एक जैसा बनाने का प्रयास नहीं करता। लोकतंत्र को केवल चुनावों से नहीं मापा जा सकता। चुनाव उसका अनिवार्य आधार हैं, लेकिन लोकतांत्रिक संस्कृति उससे कहीं व्यापक है। वह तीन प्रकार के भरोसे पर खड़ी होती है–नागरिक का नागरिक पर भरोसा, नागरिक का संस्थाओं पर भरोसा और संस्थाओं का नागरिक के विवेक पर भरोसा। इनमें से कोई एक कमजोर होता है तो पूरी लोकतांत्रिक संरचना प्रभावित होती है। आज के विवादों और आंदोलनों को भी इसी कसौटी पर देखने की आवश्यकता है। कौन जीता और कौन हारा, इसका उत्तर अलग–अलग राजनीतिक दृष्टियों से अलग हो सकता है।

पुलिस को भी है प्रतिकार का अधिकार

अशोक कुमार

हाल में दिल्ली के जंतर–मंतर पर काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा कथित रूप से पैलेट गन के प्रयोग को लेकर पूरे देश में व्यापक बहस छिड़ गई है। घटना की जांच भी प्रारंभ हो चुकी है। सवाल यह है कि पैलेट गन का प्रयोग हुआ या नहीं? यदि हुआ तो किन परिस्थितियों में हुआ? किंतु इस पूरे विवाद के बीच एक महत्वपूर्ण पक्ष लगभग चर्चा से बाहर है कि ऐसी परिस्थितियों में पुलिस को कानून क्या अधिकार देता है? मैंने अनेक बार ऐसे हालात देखे हैं, जब कुछ ही मिनटों में शांतिपूर्ण प्रतीत होने वाला प्रदर्शन हिंसक रूप धारण कर लेता है। ऐसे समय में पुलिस के प्रत्येक निर्णय का सीधा संबंध लोगों के जीवन, सार्वजनिक संपत्ति और कानून–व्यवस्था से होता है। इसलिए किसी भी घटना का मूल्यांकन केवल भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि कानून और वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर किया जाना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। जब कोई प्रदर्शन हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़, पथराव अथवा सार्वजनिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन जाता है, तब राज्य का संवैधानिक दायित्व है कि वह कानून–व्यवस्था बहाल करे। पूर्व में भारतीय दंड संहिता यानी आइपीसी की धारा 141 में गैर–कानूनी जमावड़े की परिभाषा दी गई थी। अब यह प्रविधान भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की धारा 189 में निहित है। यदि पांच या उससे अधिक व्यक्ति किसी ऐसे उद्देश्य से एकत्र हों, जो कानून के विरुद्ध हो, तो वह गैर–कानूनी जमावड़ा माना जाएगा।

इसमें सरकार के वैधानिक कार्यों में बाधा डालना, अपराध करना, सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, बलपूर्वक किसी की संपत्ति पर कब्जा करना अथवा किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई कार्य करने के लिए विवश करना शामिल हो सकता है। भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 189, 190 और 191 ऐसे गैर–कानूनी जमावड़े तथा दंगों में शामिल व्यक्तियों के लिए दंड का प्रविधान करती हैं। केवल हिंसा करने वाला व्यक्ति ही नहीं, बल्कि जानबूझकर ऐसे हिंसक जमावड़े का हिस्सा बने लोग भी कानूनी दायरे में आते हैं। अब प्रश्न यह है कि ऐसी स्थिति में पुलिस क्या करे? इसका उत्तर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता यानी बीएनएसएस की धाराओं 148 से 151 में मिलता है, जिन्होंने पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धाराओं 129 से 131 का स्थान लिया है। व्यवस्था के अनुसार कानून पुलिस को चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई करने का अधिकार देता है। सबसे पहले उपनिरीक्षक या उससे वरिष्ठ अधिकारी किसी भी गैर–कानूनी जमावड़े अथवा शांति भंग करने की आशंका वाले समूह को तितर–बितर होने का आदेश दे सकता है। यदि भीड़ आदेश का पालन नहीं करती तो उसे हटाने के लिए पुलिस आवश्यक बल का प्रयोग कर सकती है, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर गिरफ्तारी भी शामिल है। कानून पुलिस को केवल उतना ही बल प्रयोग करने की अनुमति देता है, जितना परिस्थितियों में आवश्यक हो। इसे ग्रेडेड रिस्पांस कहा जाता है। इसका अर्थ है कि पुलिस सीधे कठोर बल का प्रयोग नहीं करती। पहले समझाइश, सार्वजनिक घोषणा और चेतावनी दी जाती है। यदि उससे भी स्थिति नियंत्रित न हो तब वाटर कैनन, आंसू गैस तथा अन्य गैर–घातक उपाय अपनाए जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर सीमित लाठीचार्ज किया जा सकता है। इसके बाद भी यदि भीड़ हिंसक बनी रहे और लोगों के जीवन अथवा सार्वजनिक संपत्ति के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करे, तभी रबर बुलेट, प्लास्टिक पैलेट अथवा पंप–एक्शन एंटी–रायट गन जैसे विशेष उपकरणों का प्रयोग किया जा सकता है। इन उपकरणों का उद्देश्य किसी व्यक्ति की जान लेना नहीं, बल्कि हिंसक भीड़ को नियंत्रित करना और ऐसी स्थिति से बचना है, जहां वास्तविक गोलियों का प्रयोग करना पड़े। फिर भी, इनका उपयोग केवल प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा निर्धारित एसओपी के अनुसार ही किया जाना चाहिए। यदि इन उपायों के बाद भी स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए, तभी कानून विशेष परिस्थितियों में सशस्त्र बलों की सहायता लेने की अनुमति देता है। सामान्यत: ऐसी कार्रवाई कार्यपालक मजिस्ट्रेट के निर्देशन में की जाती है। यदि किसी आपात स्थिति में मजिस्ट्रेट उपलब्ध न हो, तो कानून वरिष्ठतम उपनिरीक्षक अथवा उससे उच्च अधिकारी तथा सशस्त्र बलों के राजपत्रित अधिकारी को भी आवश्यक परिस्थितियों में आग्नेयास्त्रों के प्रयोग का आदेश देने का अधिकार प्रदान करता है। पैलेट आधारित भीड़ नियंत्रण प्रणाली भारत में लगभग दो दशकों से प्रचलन में है। जम्मू–कश्मीर में लंबे समय तक चले हिंसक पथराव के दौरान इसका उपयोग व्यापक चर्चा का विषय बना। व्यावहारिक दृष्टि से यह भीड़ नियंत्रण के सामान्य उपायों और घातक हथियारों के बीच का एक मध्यमार्गी विकल्प माना जाता है।

अफसरों को जिम्मेदार बनाने से होगा समाधान

योगेंद्र योगी

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर, बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके। यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाय कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यावहारिक धरातल पर नहीं, बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों में संशोधन किया जा रहा है, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कानूनों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना-दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे। संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुर्माना 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपए तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार का बनाया पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व में आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं। राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू हुआ। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही हैं। पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई। इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार-हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिंदा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर, बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए। आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सडक़ पर गड्ढा होने से यदि कोई सडक़ दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यावसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की जिम्मेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हें जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी। अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर, बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके। यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सडक़, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे, ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए और कठोर कानून बन जाएं।

स्पेन से सीख- अवैध अप्रवासन, सीमा सुरक्षा और जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रति समय रहते जागना क्यों आवश्यक है

विश्व के अनेक देशों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है–अवैध अप्रवासन (Illegal Immigration), सीमा सुरक्षा और उससे उत्पन्न होने वाले जनसांख्यिकीय परिवर्तन। यह केवल किसी एक देश या महाद्वीप का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक संसाधनों और सुशासन से जुड़ा वैश्विक प्रश्न है। यूरोप, अमेरिका और एशिया के अनेक देशों ने पिछले दो दशकों में इस चुनौती का सामना किया है। हाल के वर्षों में स्पेन के उत्तर अफ्रीकी क्षेत्र सेउटा (Ceuta) और मेलिला (Melilla) एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में रहे हैं।

कैलाश चन्द्र

मोरक्को की सीमा से बड़ी संख्या में लोगों द्वारा सामूहिक रूप से सीमा पार करने के प्रयासों ने यह स्पष्ट किया कि यदि किसी देश की सीमाओं पर लगातार दबाव बढ़े और अवैध प्रवेश को समय रहते प्रभावी ढंग से नियंत्रित न किया जाए, तो प्रशासन, कानून-व्यवस्था और स्थानीय संसाधनों पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। यही कारण है कि स्पेन और यूरोपीय संघ ने सीमा सुरक्षा, पहचान सत्यापन और प्रवासन नियंत्रण को अपनी प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में शामिल किया है। स्पेन का अनुभव यह भी बताता है कि सीमा संकट केवल सीमा सुरक्षा बलों का विषय नहीं होता। इसके प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, स्थानीय प्रशासन और सामाजिक विश्वास तक पहुँचते हैं। जब किसी क्षेत्र में अचानक बड़ी संख्या में अनियमित प्रवासन होता है, तब स्थानीय संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ना स्वाभाविक है। इसलिए अधिकांश विकसित राष्ट्र अपनी सीमाओं की निगरानी, नागरिक पहचान प्रणाली और आव्रजन कानूनों

को लगातार मजबूत करते रहते हैं। यहाँ एक मूलभूत अंतर समझना आवश्यक है–वैध प्रवासन (Legal Migration) और अवैध अप्रवासन (Illegal Immigration)। किसी भी संप्रभु राष्ट्र को यह अधिकार है कि वह अपने कानूनों के अनुसार विदेशियों को प्रवेश, निवास या नागरिकता प्रदान करे। लेकिन बिना वैध अनुमति या दस्तावेज़ के सीमा पार करना कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए चुनौती माना जाता है। इसलिए इस विषय का मूल प्रश्न किसी व्यक्ति की धार्मिक या सांस्कृतिक पहचान नहीं, बल्कि कानून का पालन और सीमा प्रबंधन है। भारत के संदर्भ में भी यह विषय दशकों से सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रहा है। विशेषकर पूर्वी सीमा, नकली दस्तावेज़ों, सीमा प्रबंधन और नागरिक पहचान से जुड़े प्रश्न समय-समय पर संसद, न्यायालयों और सरकारी एजेंसियों के समक्ष उठते रहे हैं। पश्चिम बंगाल और असम जैसे सीमावर्ती राज्यों में अवैध प्रवासन को लेकर लंबे समय से राजनीतिक और प्रशासनिक बहस होती रही है। इस विषय पर विभिन्न राजनीतिक दलों के मत भिन्न रहे हैं, इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले आधिकारिक आँकड़ों, न्यायालयों के निर्णयों और सरकारी दस्तावेज़ों का अध्ययन आवश्यक है। जनसांख्यिकीय परिवर्तन (Demographic Change) स्वयं में न तो सकारात्मक होता है और न नकारात्मक। यह जन्मदर, मृत्यु दर, शहरीकरण, आर्थिक अवसरों और प्रवासन जैसे अनेक कारणों से होता है। किंतु यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक बड़े पैमाने पर अनियंत्रित अवैध प्रवासन होता रहे, तो स्थानीय प्रशासन, सार्वजनिक सेवाओं और सामाजिक संतुलन पर उसका प्रभाव पड़ सकता है। यही कारण है कि विश्व के अधिकांश राष्ट्र जनसंख्या के वैज्ञानिक अध्ययन, सीमा प्रबंधन और नागरिक पहचान व्यवस्था को राष्ट्रीय नीति का महत्वपूर्ण भाग मानते हैं। स्पेन की घटनाएँ हमें यह भी सिखाती हैं कि किसी भी समस्या की अनदेखी लंबे समय तक नहीं की जा सकती। जब तक स्थिति सामान्य रहती है, तब तक उसका वास्तविक स्वरूप स्पष्ट नहीं होता; लेकिन संकट उत्पन्न होने के बाद उसे नियंत्रित करने की आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक लागत कई गुना बढ़ जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल सिद्धांत भी यही है कि रोकथाम (Prevention) उपचार (Reaction) से अधिक प्रभावी होती है।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र के लिए यह विषय और भी महत्वपूर्ण है। भारत की हजारों किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ अनेक देशों से जुड़ी हैं। इसलिए आधुनिक तकनीक-आधारित सीमा निगरानी, दस्तावेज़ सत्यापन, प्रभावी सीमा प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन की क्षमता और नागरिक पंजीकरण प्रणाली को मजबूत करना राष्ट्रीय हित का विषय है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक कार्रवाई संविधान, विधि के शासन और मानवाधिकारों के अनुरूप हो। लोकतंत्र में सरकार का पहला दायित्व अपने नागरिकों की सुरक्षा, कानून का समान अनुपालन और सीमाओं की रक्षा करना है। यदि सीमा सुरक्षा, अवैध प्रवासन और नागरिक पहचान जैसे विषयों को केवल अल्पकालिक राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए, तो समाज में अविश्वास और तनाव बढ़ने की आशंका हो सकती है। दूसरी ओर, यदि इन विषयों पर तथ्य-आधारित, पारदर्शी और दीर्घकालिक नीति बनाई जाए, तो राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता दोनों को सुदृढ़ किया जा सकता है। आज आवश्यकता भय या वैमनस्य फैलाने की नहीं, बल्कि जागरूक नागरिक चेतना विकसित करने की है। किसी भी देश की सीमाएँ केवल नक्शे पर खींची गई रेखाएँ नहीं होतीं; वे उसकी संप्रभुता, सुरक्षा, प्रशासनिक क्षमता और भविष्य की स्थिरता का आधार होती हैं।

इसलिए सीमा सुरक्षा, नागरिक पहचान, अवैध अप्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा प्रमाण, कानून और राष्ट्रीय हित के आधार पर होनी चाहिए। स्पेन का अनुभव भारत सहित सभी लोकतांत्रिक देशों के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन-प्रकरण है। इससे यह शिक्षा मिलती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय दायित्वों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए प्रभावी सीमा प्रबंधन, निष्पक्ष कानून-प्रवर्तन, पारदर्शी नागरिक पहचान व्यवस्था और समय पर नीति-निर्माण किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए अनिवार्य हैं। इतिहास उन राष्ट्रों को अधिक सुरक्षित पाता है, जो चुनौतियों को समय रहते पहचानते हैं, तथ्यों के आधार पर उनका विश्लेषण करते हैं और दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से उनका समाधान खोजते हैं।

पत्र सूचना कार्यालय रायपुर द्वारा 9 अगस्त- रविवार को मनेंद्रगढ़ में वार्तालाप कार्यशाला

'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान' पर होगा केंद्रित संवाद मीडिया की भूमिका पर भी होगी चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय (PIB), रायपुर द्वारा 9 अगस्त 2026 (रविवार) को मनेंद्रगढ़ स्थित होटल हसदेव इन में पत्रकारों के लिए एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला-सह-संवाद कार्यक्रम वार्तालाप का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का मुख्य विषय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान है कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े तथा पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त होगा कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने नशा मुक्ति के लिए किए जा रहे राष्ट्रव्यापी प्रयासों तथा विकसित भारत-2047 के निर्माण में युवाओं की भूमिका को लेकर मीडिया के साथ सार्थक संवाद स्थापित करना है युवा सहभागिता और माई भारत की भूमिका पर प्रस्तुति कार्यशाला के प्रथम चरण में माई भारत, कोरिया की जिला समन्वयक चहल कैलाशिया द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान एवं युवा सहभागिता तथा राष्ट्र निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देने में माई भारत की भूमिका विषय पर प्रस्तुति दी जाएगी। प्रस्तुति के माध्यम से युवाओं की भागीदारी, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा कार्यशाला के दूसरे चरण में नशा मुक्ति, समाज, पत्रकारिता और मीडिया की जिम्मेदारी से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद एवं विचार-विमर्श होगा इसमें नशा मुक्ति और देश-समाज की दशा 'जिम्मेदार पत्रकारिता : मिथ्य से तथ्य तक तथा नशा मुक्त भारत के निर्माण में मीडिया की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी तथ्य आधारित पत्रकारिता और जिम्मेदार मीडिया पर जोर कार्यशाला में इस बात पर विशेष जोर दिया जाएगा कि नशा मुक्ति जैसे संवेदनशील सामाजिक विषयों पर मीडिया की भूमिका केवल सूचना प्रसारित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह जन जागरूकता, सकारात्मक सामाजिक वातावरण के निर्माण और भ्रामक सूचनाओं के प्रभावी निराकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मीडिया के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों, उपलब्ध सहायता एवं पुनर्वास सेवाओं तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रयासों की तथ्यपरक जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के साथ ही अफवाहों और मिथ्या सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए जिम्मेदार एवं तथ्य-आधारित पत्रकारिता को प्रोत्साहित किया जाएगा कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य, नशे से जुड़े सामाजिक प्रभावों और प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों पर भी चर्चा होगी। साथ ही, पत्रकारों से अपेक्षा की जाएगी कि वे नशे से संबंधित समाचारों के प्रकाशन में संवेदनशीलता, तथ्यपरकता और सामाजिक जिम्मेदारी का विशेष ध्यान रखें वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी करेंगे पत्रकारों से संवाद

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार तथा छत्तीसगढ़ बंधु पत्रिका के संपादक मधुकर द्विवेदी पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं पर पत्रकारों से संवाद करेंगे और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस दौरान बदलते मीडिया परिदृश्य, समाचारों में तथ्यपरकता, पत्रकारिता की विश्वसनीयता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए जाएंगे वार्तालाप कार्यशाला का उद्देश्य पत्रकारों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करने के साथ-साथ नशा मुक्त समाज के निर्माण में मीडिया की रचनात्मक भागीदारी सुनिश्चित करना है कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय पत्रकारों को सामाजिक सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर तथ्यपरक जानकारी और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

17 वर्षीय नाबालिग को रेलवे स्टेशन से बरामद किया, पड़ोसी युवक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। फिजिकल थाना क्षेत्र से लापता हुई 17 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने शिवपुरी रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया है मामले में पुलिस ने 19 वर्षीय पड़ोसी युवक अमित बाथम को गिरफ्तार किया है पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया जानकारी के अनुसार नाबालिग अपने घर से लापता हो गई थी परिजनों ने पुलिस को सूचना देते हुए उसकी उम्र 17 वर्ष बताई थी। दूसरी ओर युवक और नाबालिग की ओर से संयुक्त शपथपत्र तथा सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किए जाने की बात सामने आई, जिसमें दोनों ने खुद को बालिग बताते हुए अपनी मर्जी से साथ रहने और शादी करने की बात कही थी मामला सामने आने के बाद पुलिस ने नाबालिग की उम्र की जांच शुरू की स्कूली दस्तावेजों की जांच में उसकी उम्र 17 वर्ष होने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने तलाश तेज की और शिवपुरी रेलवे स्टेशन से नाबालिग को बरामद कर लिया पुलिस के अनुसार, दोनों ट्रेन का इंतजार कर रहे थे पुलिस जांच में आधार कार्ड में नाबालिग की उम्र को कथित रूप से बालिग दर्शाने के लिए फेरबदल किए जाने की बात भी सामने आई है इसी आधार पर शादी संबंधी शपथपत्र तैयार कराने का आरोप है हालांकि इन तथ्यों की विस्तृत पुष्टि जांच के बाद ही होगी नाबालिग की मां की शिकायत पर फिजिकल थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 170/26 दर्ज कर जांच शुरू की पुलिस ने बीएनएस की धारा 137(2) 64(2) एम और 87 के साथ पॉक्सो एक्ट की धारा 5 एल/6 के तहत कार्रवाई की है पुलिस के अनुसार आरोपी अमित बाथम पुत्र शंकर बाथम, निवासी करोदी कॉलोनी, शिवपुरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

महतारी वंदन योजना ने अनीता को दिया आर्थिक संबल, छोटी दुकान बनी आत्मनिर्भरता की राह

30वीं किस्त के साथ अनीता को मिले 30 हजार, घर की जरूरतों के साथ दुकान के लिए सामान जुटाने में मिल रहा सहारा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कभी घर की छोटी-छोटी जरूरतों और दुकान के लिए आवश्यक सामान जुटाने के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण होता था लेकिन अब नियमित आर्थिक सहायता ने मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की निवासी अनीता गुप्ता के जीवन में यह तस्वीर बदलनी शुरू कर दी है महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली 1,000 की सहायता ने उनके लिए आर्थिक संबल का रूप ले लिया है 7 अगस्त 2026 को योजना की 30वीं किस्त जारी होने के साथ ही अनीता को अब तक कुल 30,000 की राशि प्राप्त हो चुकी है अनीता गुप्ता के लिए यह 1,000 की मासिक सहायता महज एक राशि नहीं, बल्कि अपनी जरूरतों को पूरा करने और छोटे व्यवसाय को निरंतर आगे बढ़ाने का माध्यम बन गई है वे बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग वे अपनी दुकान में आवश्यक सामान भरने के साथ-साथ घर की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में करती हैं इससे दुकान के लिए जरूरी सामान खरीदने में उन्हें मदद मिलती है और उनका छोटा व्यवसाय लगातार चलता रहता है अनीता बताती हैं कि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों के बीच कई बार छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए अतिरिक्त आर्थिक व्यवस्था करनी पड़ती थी महतारी वंदन योजना की नियमित सहायता से अब ऐसी जरूरतों को पूरा करने में उन्हें काफी सहूलियत मिल रही है वे अपनी आवश्यकता के अनुसार इस राशि का उपयोग घरेलू खर्च में सहयोग देने के साथ दुकान के लिए जरूरी सामान खरीदने में कर पाती हैं। उनके लिए योजना की सबसे बड़ी खासियत इसकी नियमित आर्थिक सहायता है हर माह मिलने वाली राशि उन्हें अपने खर्च की छोटी-छोटी जरूरतों को व्यवस्थित करने और दुकान में आवश्यक सामान उपलब्ध रखने में मदद करती है इस तरह योजना उनके घरेलू जीवन के साथ-साथ उनके छोटे व्यवसाय को भी मजबूती प्रदान कर रही है अनीता का कहना है कि महिलाओं को जब अपनी जरूरतों के लिए नियमित आर्थिक सहयोग मिलता है तो उनके भीतर आत्मविश्वास भी बढ़ता है महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता ने उन्हें अपनी छोटी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है दुकान में सामान भरने के लिए राशि का उपयोग करने से उन्हें अपने छोटे व्यवसाय को निरंतर संचालित करने में भी मदद मिल रही है 30वीं किस्त जारी होने पर अनीता गुप्ता के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी अब तक प्राप्त 30,000 की राशि उनके लिए सरकार की योजना से मिले भरोसे और आर्थिक सहयोग का प्रतीक है वे कहती हैं कि नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि परिवार के लिए उपयोगी साबित हो रही है और उन्हें अपने छोटे व्यवसाय को संभालने में भी सहारा दे रही है मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार अनीता गुप्ता ने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

1,000 रुपये की मदद बनी प्रीति के सपनों की ताकत सिलाई सीखकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा कदम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली मासिक आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ आत्मनिर्भर बनने का माध्यम बन रही है मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की निवासी प्रीति साह भी योजना की सहायता से सिलाई का हुनर सीखकर अपनी आजीविका का रास्ता तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं 7 अगस्त 2026 को योजना की 30वीं किस्त जारी होने के साथ प्रीति साह के खाते में अब तक कुल 30 हजार रुपये की सहायता पहुंच चुकी है प्रीति के मुताबिक हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ उन्हें नया कौशल सीखने में मदद कर रही है प्रीति साह बताती हैं कि वे योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग सिलाई सीखने के साथ बच्चों की पढ़ाई और उनकी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में करती हैं उनका लक्ष्य सिलाई का प्रशिक्षण पूरा कर भविष्य में इसी हुनर को अपनी आय का जरिया बनाना है उनके अनुसार, नियमित आर्थिक सहायता उनके लिए शुरुआती सहयोग और प्रोत्साहन दोनों का काम कर रही है परिवार की जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की शिक्षा प्रीति की प्राथमिकता है योजना की राशि से कॉपी-किताब और पढ़ाई से जुड़ी अन्य जरूरतों को पूरा करने में उन्हें मदद मिलती है इससे परिवार के मासिक बजट पर भी कुछ राहत मिल रही है प्रीति साह ने 30वीं किस्त मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि योजना से उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के साथ अपने भविष्य के लिए भी कुछ करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनने में सहयोग दे रही है प्रीति की कहानी बताती है कि नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपने हुनर को विकसित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा सकती हैं।

400 किमी की डाक कांवड़ यात्रा पर निकले खेरौना के श्रद्धालु

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सावन माह में शिवभक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिल रहा है तेंदुआ थाना क्षेत्र के खेरौना गांव के करीब 50 से 55 श्रद्धालुओं ने शनिवार सुबह सोरों जी के कचला घाट से डाक कांवड़ यात्रा शुरू की श्रद्धालुओं का लक्ष्य करीब 400 किलोमीटर की दूरी 48 घंटे में तय कर 11 अगस्त को खेरौना गांव के पहाड़ वाले शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करना है इस डाक कांवड़ की खासियत यह है कि कांवड़ लेकर धावक लगातार दौड़ते रहते हैं एक धावक कुछ दूरी तक दौड़ने के बाद कांवड़ दूसरे धावक को सौंपता है उसे निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के लिए बाइक का उपयोग किया जाता है कांवड़ को भगवान शिव को अर्पित करने तक जमीन पर नहीं रखा जाता।

मध्यप्रदेश पुलिस का साइबर नवाचार राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित

FutureCrime Summit 2026 में भोपाल साइबर क्राइम के उप निरीक्षक भरतलाल प्रजापति को 'E&cellence in Cyber Policing' अवार्ड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर जांच और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। भोपाल साइबर क्राइम में पदस्थ उप निरीक्षक भरतलाल प्रजापति को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित FutureCrime Summit 2026 के दौरान 'FCRF E&cellence Award w®w{ - E&cellence in Cyber Policing' से सम्मानित किया गया 6 और 7 अगस्त को आयोजित इस सम्मेलन में Future Crime Research Foundation (FCRF) की ओर से यह सम्मान साइबर पुलिसिंग और डिजिटल इन्वेस्टिगेशन में तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए प्रदान किया गया उप निरीक्षक प्रजापति को विशेष रूप से 'Investigation Camp' के विकास के लिए सम्मानित किया गया है Investigation Camp का उद्देश्य साइबर और डिजिटल अपराधों की जांच के दौरान अधिकारियों के सामने आने वाली तकनीकी चुनौतियों को समझना और उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करना है इसके माध्यम से डिजिटल साक्ष्य तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल माध्यमों से प्राप्त जानकारी का बेहतर उपयोग कर जांच को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह सम्मान किसी एक अधिकारी की उपलब्धि नहीं, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन और साइबर क्राइम टीम के सामूहिक प्रयासों को मिली राष्ट्रीय पहचान है मध्यप्रदेश पुलिस साइबर अपराधों से बचाव के लिए जनजागरूकता के साथ तकनीकी जांच पर भी जोर दे रही है वर्ष 2025 में सेफ क्लिक अभियान चलाया गया था जबकि 2026 में सेफ क्लिक 2.0 के जरिए नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है इसके अलावा साइबर अपराधों की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ई-जीरो एफआईआर जैसी पहल भी शुरू की गई है पुलिस का कहना है कि बदलते साइबर अपराधों को देखते हुए डिजिटल फॉरेंसिक डेटा एनालिसिस, साइबर इंटेलिजेंस और तकनीकी नवाचार को लगातार मजबूत किया जा रहा है ताकि अपराधों की रोकथाम और जांच दोनों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

NH-46 पर दो हादसे, महिला की बिगड़ी तबीयत तो गाय को बचाने में पलटा सब्जियों से भरा मिनी ट्रक

हाईवे टीम ने दोनों घटनाओं में पहुंचकर संभाला मोर्चा, घायलों और महिला को समय पर मिली मदद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-46 (NH-46) पर दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। कोलारस क्षेत्र में बस में यात्रा कर रही एक महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जबकि बदरवास क्षेत्र में सड़क पर सामने आई गाय को बचाने के प्रयास में सब्जियों से भरा मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। दोनों घटनाओं में हाईवे टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं सहायता कार्य किया बस में महिला की अचानक बिगड़ी तबीयत पहली घटना कोलारस थाना क्षेत्र के पूरनखेड़ी गांव के पास हुई। बताया गया कि बस में यात्रा कर रही 32 वर्षीय सुशीला आदिवासी, पत्नी आशाराम आदिवासी, निवासी झंडी की अचानक तबीयत खराब हो गई। सूचना मिलते ही हाईवे टीम मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से महिला को कोलारस स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने महिला की स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए शिवपुरी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गाय को बचाने में पलटा मिनी ट्रक दूसरी घटना बदरवास थाना क्षेत्र में NH-46 स्थित सुमेला टाटा शोरूम के पास हुई। जानकारी के अनुसार इंदौर से गोभी लेकर शिवपुरी की ओर जा रहा आईसर मिनी ट्रक अचानक सड़क पर सामने आई गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया हादसे में ट्रक चालक और हेल्पर को मामूली चोटें आईं। दुर्घटना के बाद ट्रक में लदी गोभी सड़क पर बिखर गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ सूचना पर हाईवे टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए राहत कार्य किया दोनों घटनाओं में समय पर पहुंची हाईवे टीम की सक्रियता से स्थिति को नियंत्रित किया गया।

बीज से हरियाली तकः पिपरिया के विद्यार्थियों ने सीड बॉल से शुरू की प्रकृति संवारने की पहल

शासकीय हाई स्कूल पिपरिया में डॉ. विनोद कुमार पांडेय की पहल, वर्षों से सीड बॉल तैयार कर विद्यार्थियों को सिखाया जा रहा पर्यावरण संरक्षण का हुनर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण को लेकर अब स्कूली विद्यार्थी भी अभिनव प्रयासों के जरिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं शासकीय हाई स्कूल पिपरिया में विद्यार्थियों द्वारा सीड बॉल तैयार करने की अनूठी पहल की जा रही है विद्यालय की व्याख्याता डॉ. विनोद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राएं पिछले कई वर्षों से सीड बॉल तैयार करना सीख रहे हैं इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और प्रकृति के संरक्षण की भावना विकसित करना है सीड बॉल तकनीक में बीजों को मिट्टी जैसे प्राकृतिक माध्यम से सुरक्षित आवरण दिया जाता है। इसके बाद इन्हें ऐसे स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है जहां सामान्य तरीके से पौधरोपण करना मुश्किल होता है विद्यालय में विद्यार्थियों को सीड बॉल तैयार करने की पूरी प्रक्रिया व्यावहारिक रूप से सिखाई जाती है डॉ. विनोद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ बड़ी संख्या में सीड बॉल तैयार किए हैं इस दौरान उन्हें बीजों के संरक्षण उचित स्थान का चयन और पौधों के प्राकृतिक विकास की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी जाती है सीड बॉल तकनीक का उपयोग बंजर, परती और अनुपयोगी भूमि में हरियाली विकसित करने के प्रयासों में किया जा सकता है ऐसे क्षेत्रों में सीड बॉल पहुंचाने के बाद अनुकूल परिस्थितियों में बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले सकते हैं विद्यार्थियों के लिए यह अभियान किताबों तक सीमित पर्यावरण शिक्षा से आगे बढ़कर करके सीखने का अवसर बन रहा है वे बीज मिट्टी पौधों के जीवन-चक्र और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को व्यावहारिक रूप से समझ रहे हैं विद्यार्थियों ने संभाली हरियाली की जिम्मेदारी अभियान में विद्यालय के छात्र-छात्राएं स्वयं सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं बड़ी संख्या में सीड बॉल तैयार कर विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए उम्र नहीं बल्कि इच्छाशक्ति और जिम्मेदारी जरूरी है डॉ. विनोद कुमार पांडेय की पहल विद्यार्थियों को केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे पर्यावरणीय नवाचार करने के लिए प्रेरित करती है एक बीज अनेक संभावनाएं पिपरिया के विद्यार्थियों की यह पहल आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने की दिशा में प्रेरक उदाहरण है एक छोटा सा बीज भविष्य में पौधे का रूप लेकर हरियाली बढ़ाने में योगदान दे सकता है विद्यालय की यह पहल संदेश देती है कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत बड़े संसाधनों से नहीं बल्कि एक छोटे से बीज और उसकी जिम्मेदारी से भी की जा सकती है डॉ. विनोद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में विद्यार्थी आज सीड बॉल तैयार कर रहे हैं, ताकि आने वाला कल अधिक हरा-भरा और सुरक्षित बनाया जा सके।

मुरैना के डायल-112 हीरोज ने सड़क हादसे में घायल दो लोगों को पहुंचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मुरैना जिले के देवगढ़ थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के बाद डायल-112 जवानों की तत्परता से दो घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया पुलिस की त्वरित कार्रवाई से दोनों घायलों को उपचार मिल सका जानकारी के अनुसार, 7 अगस्त को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना मिली थी कि देवगढ़ थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल से गिरने के कारण दो व्यक्ति घायल हो गए हैं और उन्हें तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया डायल-112 स्टाफ में तैनात आरक्षक नरेंद्र मौर्य और पायलट आनंद सिकरवार मौके पर पहुंचे वहां उन्होंने देखा कि मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल अवस्था में पड़े थे जवानों ने बिना समय गंवाए दोनों घायलों को एफआरव्ही वाहन की मदद से जिला अस्पताल मुरैना पहुंचाया पुलिस के मुताबिक, समय पर अस्पताल पहुंचने से घायलों को तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध हो सकी डायल-112 जवानों की इस कार्रवाई की सराहना की जा रही है यह घटना आपात परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया और मानवीय संवेदनशीलता को दर्शाती है डायल-112 सेवा के माध्यम से मध्यप्रदेश पुलिस आपात स्थिति में नागरिकों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए लगातार सक्रिय है।

छतरपुर में वाहन की टक्कर से युवक की मौत

ड्राइवर गाड़ी लेकर भागा, अनगौर के पास हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के गुलगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अनगौर के पास एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने उसके परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद एनएच-1033 एंबुलेंस की मदद से घायल को छतरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

अनगौर के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर: जानकारी के अनुसार हादसा गुरुवार रात करीब 8:30 बजे गुलगंज थाना क्षेत्र के अनगौर के पास हुआ। बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र के पटोरी गांव निवासी 35 वर्षीय धनीराम कुशवाहा अपनी बाइक से पटोरी गांव से छतरपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अनगौर के पास उनकी बाइक को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद धनीराम सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उनकी मदद की और घटना की जानकारी उनके परिवार वालों को दी। परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत को देखते हुए धनीराम को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया

घायल धनीराम को एनएच-1033 एंबुलेंस की मदद से छतरपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उनका परीक्षण किया। हालत गंभीर होने के कारण परिजनों को उम्मीद थी कि इलाज से उनकी जान बचाई जा सकेगी, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद धनीराम को मृत घोषित कर दिया।

35 वर्षीय धनीराम कुशवाहा की मौत

मृतक की पहचान बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र के पटोरी गांव निवासी 35 वर्षीय धनीराम कुशवाहा के रूप में हुई है। सड़क हादसे में उनकी मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के साथ घटनास्थल से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध जानकारी की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन और चालक की तलाश जारी... हादसे के बाद बाइक को टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसा किस वाहन से हुआ और टक्कर के बाद चालक किस दिशा में गया।

दुर्घटना के कारणों का लगाया जा रहा पता... पुलिस हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। अज्ञात वाहन की पहचान होने के बाद दुर्घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ा दी है और वाहन तथा चालक की तलाश जारी है।

कुएं से पानी लेने उतरा किसान, डूबने से मौत

रायसेन में सीढ़ियों से उतरते समय पैर फिसल गया था, पत्नी ने परिजनों को दी सूचना

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के गैरतगंज थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में शनिवार सुबह एक किसान की कुएं में डूबने से मौत हो गई। किसान अपने खेत में धान की रोपाई के लिए कुएं से पानी लेने गए थे, तभी यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, किसान खेत में बने कुएं से पानी लेने के लिए सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे कुएं में गिर गए। घटना के समय उनकी पत्नी भी मौके पर मौजूद थीं। काफी देर तक पति के बाहर न आने पर पत्नी ने कुएं में देखा, जहां किसान पानी में डूबे मिले। उन्होंने तत्काल फोन कर परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और किसान को कुएं से बाहर निकाला। किसान को आनन-फानन में बाइक से गैरतगंज सिविल अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। गैरतगंज थाना प्रभारी डीपी लोहिया ने बताया कि मृतक किसान की पहचान महेंद्र अहिरवार के रूप में हुई है। वे धान की रोपाई के लिए पानी लेने के दौरान कुएं में फिसल गए थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रतलाम में डेढ़ लाख की एमडी के साथ युवक गिरफ्तार

जेब में छिपाकर बाइक से ले जा रहा था, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पिपलौदा थाना पुलिस ने 15 ग्राम एमडी के साथ एक युवक को पकड़ा है। जब्त एमडी की कीमत 1.50 लाख रुपए है। जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया कि शुक्रवार को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना पर पिपलौदा थाना प्रभारी पुलिस के नेतृत्व में टीम बनाई गई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा बैलारा फंटा पर घेराबंदी की गई। एक युवक बाइक से आया। जिसे रोक कर पूछताछ कर तलाशी ली। युवक के कब्जे से 15 ग्राम एमडी बरामद की। पुलिस ने सूरज (21) पिता पारसलाल मालवीय निवासी ग्राम बैलारा थाना पिपलौदा जिला रतलाम कको गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। पुलिस द्वारा मादक पदार्थ के संबंध में पूछताछ जारी है। शनिवार को आरोपी युवक को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

रतलाम में 9 ग्राम एमडी पकड़ी

थाना माणकचौक पुलिस ने शाहीद उर्फ कालिया (26) पिता साबिर खान, निवासी काजी हाउस के पास, काजीपुरा, रतलाम को पकड़ा। इसकी तलाशी लेने पर अवैध मादक पदार्थ 9 ग्राम एमडी मिली। एमडी की कीमत 90 हजार रुपए है। आरोपी के कब्जे से बाइक व एक मोबाइल फोन मिलाकर 1 लाख 40 हजार का माल जब्त किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ के स्रोत एवं नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पेट्रोल भरवाकर लौट रहे युवक को वाहन ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के जग्गाखेड़ी गांव में शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक जितेंद्र उर्फ अर्जुन जाट की मौत हो गई। वह अपनी बाइक से पेट्रोल भरवाकर घर लौट रहा था, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में अर्जुन को गंभीर चोटें आईं। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और अर्जुन को निजी वाहन से जिला अस्पताल मंदसौर ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। परिजनों ने बताया कि अर्जुन खेती का काम करता था। शुक्रवार शाम वह खेत से काम खत्म कर घर आया था। परिवार के साथ कुछ समय बिताने और खाना खाने के बाद वह रात में बाइक से पेट्रोल भरवाने के लिए निकला था। पेट्रोल भरवाकर वापस लौटते समय जग्गाखेड़ी क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

सिवनी में कच्चा मकान गिरा, चार लोग दबे, ग्रामीणों ने सभी को सुरक्षित निकाला, अस्पताल में एडमिट

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के लखनादौन विकासखंड के ग्राम धाधरा में शनिवार सुबह एक कच्चा मकान अचानक ढह गया। इस हादसे में मकान के अंदर मौजूद चार लोग मलबे में दब गए। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस और स्थानीय प्रशासन को घटना की सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से मलबे में फंसे सभी चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

ये हुए घायल: घायलों में समनसिंह काकोड़िया (55), छोटी बाई (50), भंगो परते (48) और मंत्रा बाई परते (57) शामिल हैं। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से लखनादौन सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही आदेगांव पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मकान गिरने के कारणों तथा घटना के समय मौजूद लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मकान कच्चा होने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि मकान गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों की तत्परता से ही मलबे में दबे लोगों को समय रहते बाहर निकाला जा सका। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया था।

सीहोर में शिक्षकों की कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई, तीन गंभीर घायल, स्कूल पहुंचने की जल्दबाजी में हुआ हादसा

मीडियाऑडीटर,सीहोर(निप्र)। सीहोर जिले के बिलकिसगंज थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह स्कूल जाने के दौरान शिक्षकों से भरी कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार तीन शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने घायलों को कार से बाहर निकाला और तत्काल बिलकिसगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां डॉक्टरों की टीम घायलों का उपचार कर रही है।

तेज रफ्तार में बिगड़ा कार का संतुलन: जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह तीन शिक्षक कार से स्कूल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि समय पर स्कूल पहुंचने की जल्दबाजी में कार तेज रफ्तार से जा रही थी। इसी दौरान अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार तीनों शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल: दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद की। लोगों ने घायलों को कार से बाहर निकाला और उन्हें बिलकिसगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की टीम ने घायलों का उपचार शुरू किया। फिलहाल उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बैंक खाते किराए पर लेकर ठगी करने वाले गिरतार

9 राज्यों की साइबर शिकायतों से जुड़े खाते मिले, 6 एटीएम कार्ड जब्त

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में साइबर ठगी का एक नया तरीका सामने आया है, जहां अपराधी बैंक खाते किराए पर लेकर अपना नेटवर्क चला रहे थे। सिटी कोतवाली पुलिस ने ऐसे ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के 6 एटीएम कार्ड और चार बैंक खातों से संबंधित जानकारी बरामद हुई है। पुलिस जांच में इन खातों से जुड़ी विभिन्न राज्यों की 9 साइबर शिकायतें मिली हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि झांसी-छतरपुर हाईवे स्थित लाइफलाइन हॉस्पिटल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति साइबर फ्रॉड की गतिविधियों में शामिल है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान सतना जिले के नागौद तहसील के उमरी गांव निवासी अंकुश विश्वकर्मा (पिता राकेश विश्वकर्मा) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर जारी 6 एटीएम कार्ड और चार बैंक खातों की जानकारी मिली। अधिकृत पोर्टल पर जांच करने पर इन खातों से संबंधित 9 साइबर शिकायतें दर्ज पाई गईं। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश सिंह ने बताया कि आरोपी युवकों के बैंक खाते किराए पर लेता था और बदले में उन्हें कुछ रुपये देता था।

इन खातों का उपयोग साइबर ठगी की रकम जमा करने, ट्रांसफर करने और निकालने के लिए किया जाता था। जिन खातों पर साइबर शिकायत के कारण प्रतिबंध लग जाता था, उनके एटीएम कार्ड आरोपी तोड़कर फेंक देता था। पुलिस पूछताछ में इस साइबर फ्रॉड गिरोह के एक अन्य सदस्य की जानकारी भी सामने आई है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने अब तक कितने लोगों के बैंक खाते किराए पर लिए और उनके माध्यम से कितनी रकम का लेन-देन किया गया। इस कार्रवाई में कोतवाली पुलिस, साइबर सेल और साइबर प्रभारी उप निरीक्षक नेहा सिंह गुर्जर की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रतलाम में नाइजीरियन युवती को ड्रग के साथ पकड़ा

1.6 करोड़ की ड्रग लेकर मुंबई जा रही थी, ट्रॉली में अलग खांचा बनाकर छिपाया

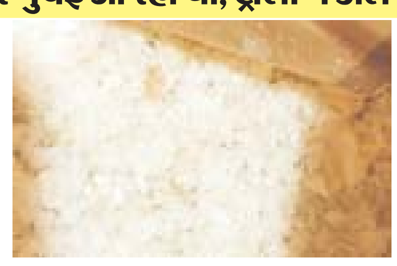

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम रेलवे स्टेशन पर राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नाइजीरियाई युवती को करीब 1.6 करोड़ रुपये की ड्रग के साथ पकड़ा है। युवती अपने सामान में ड्रग छिपाकर 19020 देहरादून एक्सप्रेस से मुंबई जा रही थी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम उसकी निगरानी कर रही थी। ट्रेन के रतलाम पहुंचने पर प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर कार्रवाई कर उसे हिरासत में लिया गया।

ट्रॉली के गुप्त खांचे में छिपाई थी ड्रग: डीआरआई अधिकारियों ने 6 अगस्त को रतलाम स्टेशन पर युवती की पहचान की।

उसके ट्रॉली बैग की बारीकी से जांच करने पर उसमें एक गुप्त खांचा मिला। इस खांचे से भूरे रंग के प्लास्टिक पैकेट में रखा सफेद क्रिस्टल जैसा पदार्थ बरामद हुआ। फील्ड टेस्टिंग किट से जांच में यह एम्फेटामाइन ड्रग पाई गई। बरामद ड्रग का वजन करीब 2 किलो है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.6 करोड़ रुपये बताई गई है।

देहरादून एक्सप्रेस के A-1 कोच में कर रही थी यात्रा: अधिकारियों के अनुसार, नाइजीरियाई युवती देहरादून एक्सप्रेस के A-1 कोच में मुंबई के लिए यात्रा कर रही थी। ट्रेन का रतलाम पहुंचने का निर्धारित समय सुबह 9 बजे है, लेकिन गुरुवार को यह करीब सुबह 10 बजे स्टेशन पहुंची।

महिला पुलिस की मदद से उतारा गया ट्रेन से

जानकारी के अनुसार, डीआरआई के अधिकारी स्कॉर्पियो वाहन से सीधे रतलाम रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां उन्होंने पहले आरपीएफ थाने पहुंचकर महिला सब-इंस्पेक्टर की मांग की। इसके बाद महिला सब-इंस्पेक्टर और दो महिला कांस्टेबल की मदद से नाइजीरियाई युवती को ट्रेन से उतारा गया। कार्रवाई पूरी होने के बाद अधिकारी उसे अपने साथ लेकर रवाना हो गए। डीआरआई ने ड्रग जब्त कर युवती को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। फिलहाल उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

रायसेन में 24 घंटे से रुक-रुककर बारिश

सूख रही धान की फसल को मिली राहत, जिले में अब तक 457.54 मिमी बारिश

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में शुक्रवार सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर शनिवार को भी जारी रहा। करीब 24 घंटे से रुक-रुककर हो रही बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है और खेतों में नमी बढ़ी है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को इस बारिश से बड़ी राहत मिली है। खासकर सूखने की कगार पर पहुंच रही धान की फसल के लिए बारिश को काफी फायदेमंद माना जा रहा है।

धान की फसल को मिली राहत: बारिश नहीं होने के कारण जिले के कई क्षेत्रों में धान की फसल प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी। अब बारिश होने से खेतों में पर्याप्त नमी पहुंची है। किसानों को उम्मीद है कि अगस्त में भी बारिश का सिलसिला जारी रहा तो धान की फसल को और फायदा मिलेगा। बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट आई है, जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है।

24 घंटे में औसतन 8.91 मिमी बारिश: पिछले 24 घंटे में जिले में औसतन 0.35 इंच यानी 8.91 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान बेगमगंज में सबसे ज्यादा 1.55 इंच बारिश हुई।

अन्य क्षेत्रों में रायसेन में 0.28 इंच, सिलवानी में 0.05 इंच, गौहरगंज में 0.61 इंच, बरेली में 0.08 इंच, बाड़ी में 0.06 इंच, सुल्तानपुर में 0.84 इंच और देवरी में 0.04 इंच बारिश दर्ज की गई। गैरतगंज और उदयपुरा में बारिश नहीं हुई।

1 जून से अब तक 18.01 इंच औसत बारिश: जिले में 1 जून से 7 अगस्त तक औसतन 18.01 इंच यानी 457.54 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। तहसीलवार आंकड़ों में बेगमगंज 22.91 इंच के साथ सबसे आगे है, जबकि सिलवानी में सबसे कम 14.32 इंच बारिश दर्ज हुई है।

तहसीलवार कुल बारिश:
बेगमगंज - 22.91 इंच
गैरतगंज - 22.44 इंच
उदयपुरा - 20.83 इंच
सुल्तानपुर - 18.83 इंच
गौहरगंज - 18.43 इंच
बाड़ी - 16.77 इंच
बरेली - 15.44 इंच
देवरी - 15.31 इंच।

किसानों को अगस्त में अच्छी बारिश की उम्मीद

लगातार हो रही बारिश से किसानों की उम्मीदें बढ़ी हैं। किसानों का कहना है कि यदि अगस्त में भी बारिश का दौर इसी तरह जारी रहता है तो धान सहित अन्य खरीफ फसलों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा और उत्पादन बेहतर होने की संभावना रहेगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर दो दिवसीय कार्यशाला की तैयारी तेज

निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता से होगा राज्यस्तरीय आयोजन, मिंटो हॉल में बनेगी कार्यशाला की रूपरेखा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने के उद्देश्य से प्रस्तावित दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला की तैयारियों को लेकर मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय आयोग एवं निजी विश्वविद्यालय संघ के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय आयोग के चेयरमैन डॉ. खेमचंद डेहरिया ने की। बैठक में मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अनंत कुमार सोनी सहित संघ के पदाधिकारियों ने प्रदेश के सभी निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता से पूर्व विधानसभा स्थित मिंटो हॉल में प्रस्तावित कार्यशाला के आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की कार्यशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किए जाने की योजना है बैठक के दौरान कार्यशाला के उद्देश्य, विषय-वस्तु, विशेषज्ञ वक्ताओं की सहभागिता, निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका और आयोजन की कार्ययोजना पर मंथन किया गया। पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा से जोड़ने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

बैठक में कहा गया कि भारतीय ज्ञान परंपरा का संबंध केवल प्राचीन ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे अनुसंधान, नवाचार, मूल्यपरक शिक्षा और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ समन्वित करने की आवश्यकता है कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध पक्षों से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा पदाधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित कार्यशाला प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करेगी इसके माध्यम से विभिन्न विश्वविद्यालय अपने अनुभव और शैक्षणिक गतिविधियों को साझा कर सकेंगे।

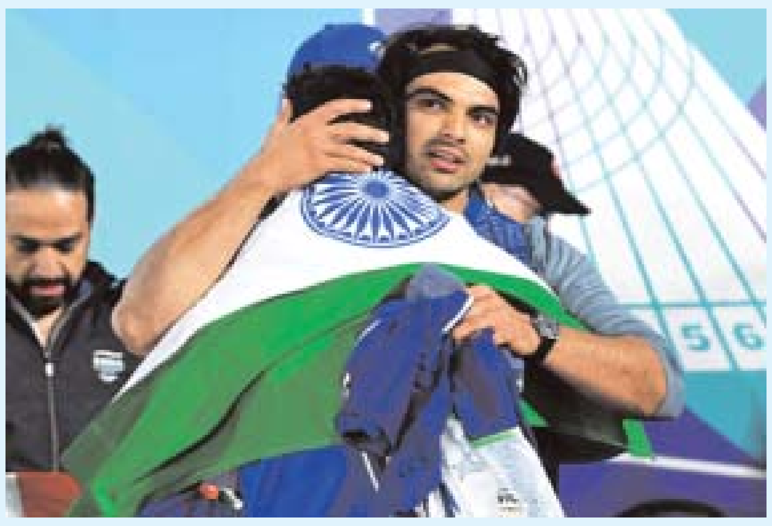

'आप पर बहुत गर्व है', नीरज चोपड़ा ने अंडर-20 वर्ल्ड्स में रजत पदक जीतने वाले आशीष यादव को दी बधाई

नई दिल्ली ,एजेसीं। ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने पर युवा जेवलिन थ्रोअर आशीष यादव को बधाई दी है। चोपड़ा ने आशीष की उपलब्धि को बेहद खास बताया है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जेवलिन में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करते और जीतते देखना हमेशा एक बहुत अच्छा एहसास होता है। एक जेवलिन थ्रोअर के तौर पर यह मेरे लिए थोड़ा और खास है। अंडर-20 में आपके रजत पदक पर मुझे आप पर बहुत गर्व है, आशीष। यह तो बस शुरुआत है।' आशीष ने पुरुषों के जेवलिन फाइनल में 74.09 मीटर के श्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के हेमंस ने 80.50 मीटर का विनिंग थ्रो करके स्वर्ण पदक विजेता रहे, जबकि डोमिनिका के जेम्स 73.89 मीटर के साथ तीसरे नंबर पर रहे। भारत के टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। आशीष का रजत पदक जेवलिन की दुनिया में भारत के बढ़ते दबदबे का प्रतीक है। जेवलिन देश में सबसे तेजी उभरता हुआ खेल है। नीरज चोपड़ा के अलावा भी कई युवा थ्रोअर इस खेल में आगे आ रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीत रहे हैं। हालांकि, जेवलिन को देश में लोकप्रिय बनाने का श्रेय निश्चित रूप से नीरज चोपड़ा को जाता है। चोपड़ा ने 2016 वर्ल्ड अंडर-20 चैंपियनशिप में 86.48 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। वह 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर देश में जेवलिन के प्रति नई जान फूंकी थी। इसके बाद पेरिस ओलंपिक में नीरज ने रजत पदक जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स 026 में रजत पदक जीतने वाले नीरज का अगला इवेंट लॉजेन डायमंड लीग है।

जेमिमा चोट के कारण 'द हंड्रेड' से बाहर

एशिया कप में खेलने पर भी संदेह

लंदन ,एजेसीं। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स 'द हंड्रेड' के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई हैं। जेमिमा के आगामी विमेंस टी20 एशिया कप में खेलने पर भी गंभीर संदेह पैदा हो गया है। जेमिमा ने 'सदर्न ब्रेव' की तरफ से खेलते हुए, 100-बॉल वाले इस टूर्नामेंट की छह पारियों में 35.75 की औसत के साथ 143 रन बनाए थे, लेकिन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट बीच में ही छोड़ना पड़ा। फ्रेंचाइजी ने टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों के लिए जेमिमा की जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स को लगी चोट के कारण, हमने 'द हंड्रेड' के शेष मुकाबलों के लिए चार्ली नॉट को उनके स्थान पर टीम में शामिल किया है। जेमी, हम आपके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। ' विमेंस द हंड्रेड की प्वाइंट्स टेबल में सदर्न ब्रेव फिलहाल दूसरे स्थान पर मौजूद है। इस टीम ने 6 में से 5 मैच अपने नाम किए हैं। टीम के पास फिलहाल 20 अंक हैं। वहीं, टेबल-टॉपर्स 'ट्रेंट रॉकेट्स' ने भी अब तक 6 मे से 5 मैच जीते हैं, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के चलते यह टीम शीर्ष पर है। विमेंस टी20 एशिया कप का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर के बीच दुबई में होगा। टूर्नामेंट में जेमिमा का खेलना पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करेगा कि उनकी हैमस्ट्रिंग की चोट का इलाज कितनी जल्दी असर करता है। मिडिल ओवरों में तेजी से रन बनाने की काबिलियत रखने वालीं जेमिमा पिछले कुछ वर्षों में भारतीय बल्लेबाजी क्रम का एक अहम हिस्सा रही हैं। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद 3 और 5 सितंबर को क्रमशः हांगकांग और चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा। टूर्नामेंट के सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल देश रहा है, जिसने चार वनडे और तीन टी20 फॉर्मेट के खिताब जीते हैं। अगर जेमिमा समय पर फिट नहीं हो पातीं, तो विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को उनकी जगह भारतीय बुलाया जा सकता है।

श्रीलंका इलेवन के खिलाफ देवदत्त पड्डिकल का शतक

जायसवाल और पंत रहे फ्लॉप

कोलंबो ,एजेसीं। भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के बीच तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच खेला जा रहा है। मैच के दूसरे दिन (शनिवार) को भारत की तरफ से बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल ने शतक लगाया। शतक लगाने के बाद उन्हें रिटायर हर्ट कर दिया गया, ताकि दूसरे बल्लेबाजों को मौका दिया जा सके। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे देवदत्त पड्डिकल ने वनडे फॉर्मेट के मुताबिक बल्लेबाजी की। पड्डिकल ने 121 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 103 रन की पारी खेली। इस शानदार पारी के बाद उन्हें रिटायर हर्ट कर दिया गया। भारतीय टीम मैनेजमेंट इस वॉर्म-अप मैच में दूसरे बल्लेबाजों को मौका देना चाहता है, इसलिए पड्डिकल को उनकी शानदार पारी के बाद वापस बुला लिया गया। भारतीय पारी की शुरुआत करने के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल आए थे। जायसवाल अपना खाता नहीं खोल सके। उन्हें पारी की दूसरी ही गेंद पर विश्वा फर्नांडो ने आउट कर दिया। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी नहीं चले और 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ध्रुव जुरेल भी 1 रन बनाकर आउट हो गए।

रिपोर्ट लिखे जाने तक भारतीय टीम ने पहली पारी में 54 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 199 रन बना लिए हैं। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए रवींद्र जडेजा 46 और मानव सुथार 5 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले दिन की शुरुआत में श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी पहले दिन के स्कोर 8 विकेट पर 363 रन पर घोषित कर दी।

श्रीलंका की तरफ से निशान मदुशंका और रविन्दु रसंथा ने पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी की। पहले विकेट के रूप में मदुशंका 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से 66 रन बनाकर आउट हुए। रसंथा ने 71 रन बनाए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए पसिंदु सोरियाबंदरा ने 35, चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए पवन रथनायके ने 39, पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए अहान विक्रमसिंघे ने 31, और छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान सोनल दिनुशा ने 52 रन की पारी खेली। आठवें नंबर के बल्लेबाज रमेश मेंडिस ने भी 32 रन बनाए। इन्हीं पारियों की बदौलत श्रीलंका 8 विकेट पर 363 रन तक पहुंच सकी।

मुझे लगता है कि मैं टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छी भूमिका निभा सकता हूं: ट्रेविस हेड

सिडनी ,एजेसीं। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड का कहना है कि वह टेस्ट क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज आगे भी खेलना जारी रखना चाहते हैं। हेड ने कहा कि वह अपने खेल को लेकर काफी सहज हैं और वह ओपनर के तौर पर अहम भूमिका निभा सकते हैं। शुक्रवार को हेड को ऑस्ट्रेलिया के 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के तौर पर प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल से सम्मानित किया गया। हेड ऑस्ट्रेलिया की ओर से व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं। हालांकि, हेड को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहले सिर्फ भारत और श्रीलंका में खास परिस्थितियों में ही टेस्ट में ओपनिंग करते देखा गया था। इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में उस्मान ख्वाजा के चोटिल होने के बाद ट्रेविस हेड को ओपनिंग करने का मौका मिला था। हेड इस मौके को दोनों हाथों से भुनाने में सफल भी रहे। उन्होंने पर्थ में 83 गेंदों पर शानदार 123 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर दो दिन में जीत हासिल करने में मदद मिली। इसके बाद उन्होंने एडिलेड और सिडनी में भी शतक लगाए और एशेज सीरीज का समापन 629 रनों के साथ किया। उनके प्रदर्शन का असर अब उस सीरीज से कहीं आगे तक दिख रहा है। हेड का ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट ओपनर के तौर पर अपनी जगह बनाए रखना तय लग रहा है, क्योंकि टीम का आने वाला शेड्यूल काफी व्यस्त है, जिसमें टीम 20 टेस्ट खेल सकती है, या अगर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो 21 टेस्ट खेल सकती है। टॉप ऑर्डर में अपनी भूमिका पर बात करते हुए हेड ने माना कि उनका फर्स्ट-क्लास करियर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में ओपनिंग बल्लेबाज की पारंपरिक छवि के अनुरूप नहीं है। हेड ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' से कहा, 'मुझे सटीक आंकड़े तो नहीं पता, लेकिन मैंने शायद 170 या 180 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनमें से शायद दस में ही मैंने ओपनिंग की होगी। मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि मैं ओपनिंग बल्लेबाज नहीं हूं, यानी उस तरह का असली सलामी बल्लेबाज नहीं, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जाना जाता है। ऐसे खिलाड़ी जो शुरुआती स्तर से ही ओपनिंग करते हुए आए हों, स्टेट क्रिकेट में ओपनिंग की हो और टेस्ट क्रिकेट में भी ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर खेले हों। ' कंगारू सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा गेम अच्छा खेलने के लिए सही है। मुझे लगता है कि मैं सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छी भूमिका निभा सकता हूं। मैं टॉप पर खेलता हूं, लेकिन मैं पूरी तरह से ओपनिंग बैटर नहीं हूं। मुझे पता है कि मुझे नई गेंद के खिलाफ लगातार कड़ी मेहनत करनी होगी। मुझे पता है कि मुझसे गलतियां होंगी। यह ठीक है। मैं अपने गेम को लेकर बहुत सहज हूं। ' बतौर सलामी बल्लेबाज हेड की सफलता 2025/26 के यादगार इंटरनेशनल सीजन का एक अहम हिस्सा रही, जिसमें उन्होंने तीनों फॉर्मेट में 30 मैचों में 1,437 रन बनाए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अवॉर्ड कार्यक्रम में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें लगातार दूसरे साल प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल मिला।

श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ वॉर्मअप मैच में फ्लॉप यशस्वी जायसवाल

बिना खाता खोले लौटे पवेलियन

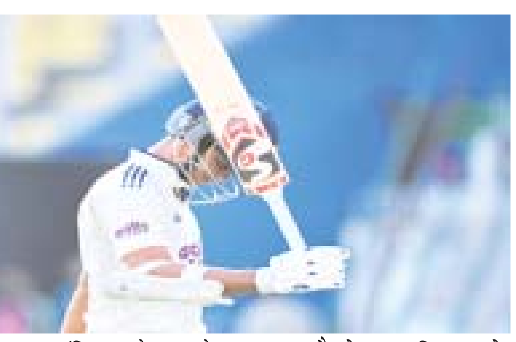

कोलंबो ,एजेसीं। भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के बीच तीन दिवसीय वॉर्मअप मुकाबला नोंडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर खेला जा रहा है। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में बुरी तरह से फ्लॉप रहे। यशस्वी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे और उनकी पारी का अंत सिर्फ 2 गेंदों में हो गया। श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने 8 विकेट के नुकसान पर 363 रन बनाने के बाद अपनी पहली पारी को घोषित किया। इसके बाद भारत की ओर से पारी का आगाज करने केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी मैदान पर उतरी। यशस्वी से इस मुकाबले में बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि, उनकी पारी का अंत सिर्फ 2 गेंदों में हो गया। यशस्वी ने ऑफ स्टंप से बाहर जाती हुई गेंद पर बल्ला लगाने का प्रयास किया और गेंद सीधा गली पर खड़े फील्डर के हाथों में पहुंच गई। यशस्वी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। यशस्वी बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ पिछले कुछ समय में संघर्ष करते नजर आए हैं। अपने टेस्ट करियर में वह 9वीं बार बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के खिलाफ आउट हुए हैं। इससे पहले, उन्हें मार्को यानसेन और मिचेल स्टार्क ने भी काफी परेशान किया था।

हालांकि, इसके बाद केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने भारतीय पारी को बखूबी अंदाज में संभाला। बारिश के कारण खेल रुकने तक राहुल और यशस्वी दूसरे विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी कर चुके हैं। पडिक्कल बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। वहीं, राहुल एंकर की भूमिका निभाते हुए नजर आए हैं।

इससे पहले, श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की ओर से निशान मदुश्का ने 65 गेंदों में 66 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि रविंदु रसंता ने 71 रनों का योगदान दिया।

कोरिया मास्टर्स सुपर 300: अश्मिता चालिहा ने बनाई फाइनल में जगह

कड़े मुकाबले में रक्षिता को हराया

नई दिल्ली,एजेसीं। भारत की अश्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में अश्मिता ने हमवतन खिलाड़ी रक्षिता रामराज को शिकस्त दी। भारत की दोनों खिलाडियों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। सेमीफाइनल मुकाबले का पहला ही गेम रोमांच से भरपूर रहा। हालांकि, कड़े संघर्ष के बाद अश्मिता पहले गेम को 21-13 से अपने नाम करने में सफल रहीं। हालांकि, दूसरे गेम में रक्षिता ने जोरदार वापसी की और गेम को 21-16 से जीतते को स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, तीसरे गेम में अश्मिता ने रक्षिता को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने गेम को 21-13 से अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। फाइनल मुकाबले में अश्मिता चालिहा की भिड़ंत अब चीन की हान कियानक्सी से होगी। अनुभवी अश्मिता ने शुक्रवार को जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। एक अन्य कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में, रक्षिता ने चीनी ताइपे ओपन चैंपियन तन्वी शर्मा को 18-21, 21-19, 21-18 से शिकस्त देकर अंतिम चार का टिकट हासिल किया था। पुरुष डबल्स में पृथ्वी के. रॉय और कृष्णा प्रसाद जी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और सोह वूई यिक से 21-7, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई। रविवार को समाप्त होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 सीरीज इवेंट का कुल प्राइज फंड 250,000 अमेरिकी डॉलर है। यह टूर्नामेंट 2007 में शुरू हुआ था और 2010 तक इसे इंटरनेशनल चैलेंज-लेवल टूर्नामेंट (इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का चौथा लेवल) के तौर पर आयोजित किया गया। इसके बाद 2011 में इसे बीडब्ल्यूएफ ग्रां प्री गोल्ड इवेंट में बदल दिया गया। साल 2017 में ग्रां प्री गोल्ड इवेंट बंद होने के बाद कोरिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 का हिस्सा बन गया।

आईपीएल 2027 को लेकर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को लेने पड़ सकते हैं मुश्किल फैसले: मैकडोनाल्ड

सिडनी ,एजेसीं। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि देश के प्रमुख टेस्ट क्रिकेटरों को अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी भागीदारी को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं, क्योंकि टीम अपने इंटरनेशनल कैलेंडर के सबसे व्यस्त दौर में से एक के लिए तैयारी करेगी। ऑस्ट्रेलिया को अगले 12 महीनों में 20 टेस्ट और 14 व्हाइट-बॉल इंटरनेशनल मैच खेलने हैं। इनमें भारत में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज भी शामिल है। टेस्ट फॉर्मेट की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया एक टेस्ट खेलेगा, जबकि इंग्लिश टीम से कंगारुओं की एशेज सीरीज में भी भिड़ंत होगी। आईपीएल 2027 के मार्च के मध्य से मई के अंत तक चलने की उम्मीद है। जून में संभावित वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले का समय ही ऐसा रहता है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम इंटरनेशनल क्रिकेट से थोड़े समय के लिए ब्रेक लेती है। हालांकि, मैकडोनाल्ड ने इस बात पर जोर दिया कि आईपीएल ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी प्रबंधन रणनीति का एक अहम हिस्सा है और उनका मानना ??है कि इस प्रतियोगिता में खेलने से टीम के प्रमुख क्रिकेटरों को फायदा हो सकता है। मैकडोनाल्ड ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' से कहा, 'मैंने पहले भी कहा है कि आईपीएल हमारे कई खिलाड़ियों के लिए हमारे मैनेजमेंट प्लान का हिस्सा है और मेरे हिसाब से टी20 क्रिकेट के सबसे अच्छी प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने से उनके प्रदर्शन में भी फायदा होता है। बस आपको इसमें संतुलन बनाना होगा। '

श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने 8 विकेट खोकर 363 रनों पर घोषित की पहली पारी, रविंदु-मदुश्का ने लगाए अर्धशतक

कोलंबो ,एजेसीं। भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के बीच तीन दिवसीय वॉर्मअप मुकाबला नोंडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान में खेला जा रहा है। श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने अपनी पहली पारी 8 विकेट खोकर 363 रन बनाने के बाद घोषित की है। श्रीलंका क्रिकेट इलेवन टीम वॉर्मअप मैच के दूसरे दिन बल्लेबाजी करने नहीं उतरी और उन्होंने पहले दिन के स्कोर 363/8 पर ही अपनी पारी को घोषित करने का फैसला किया। पहले दिन श्रीलंकाई टीम का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। टीम को निशान मदुश्का और रविंदु रसंता ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 110 रनों की साझेदारी निभाई। निशान ने 65 गेंदों का सामना करते हुए 11 चौके और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाए। वहीं, रविंदु ने 143 गेंदों का सामना करते हुए 71 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 6 चौके और एक छक्का लगाया। पसिंदु सोरियाबंदरा ने 35 रनों का योगदान दिया, जबकि पवन रत्नायके अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 47 गेंदों में 39 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। अहान विक्रमसिंघे ने 31 रन बनाए, तो कप्तान सोनल दिनुशा ने अर्धशतकीय पारी खेली।

वार्ड 28 पंजरी प्लांट में 33 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन, वार्ड 9 नवागढ़ी में 8 लाख रुपए के शेड का लोकार्पण

रायगढ़ में विकास को मिल रही नई रफ्तार, हर क्षेत्र में मजबूत हो रही सुविधाओं की नींव: वित्त मंत्री ओपी चौधरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के साथ रायगढ़ शहर में नागरिक सुविधाओं और अधोसंरचना के विस्तार के लिए भी लगातार योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने आज रायगढ़ प्रवास के दौरान नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता ऐसे विकास कार्यों को धरातल पर उतारना है, जिनका सीधा लाभ आम नागरिकों को मिले और रायगढ़ आने वाले वर्षों में आधुनिक, सुविधायुक्त एवं व्यवस्थित शहर के रूप में विकसित हो। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने वार्ड क्रमांक 28 पंजरी प्लांट में 33 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन एवं शासकीय स्कूल में बाउंड्रीवाल निर्माण का भूमिपूजन किया। वहीं वार्ड

क्रमांक 9 नवागढ़ी में 8 लाख रुपए की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से स्थानीय नागरिकों को सामुदायिक गतिविधियों, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध होगी। समग्र विकास के साथ नागरिक सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। विकास का उद्देश्य केवल बड़े निर्माण कार्य करना नहीं, बल्कि ऐसी सुविधाएं विकसित करना है, जिनसे आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आने वाले वर्षों में रायगढ़ शहर में 10 ऑक्सीजोन विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार होगा और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। ऑक्सीजोन के साथ सार्वजनिक स्थलों पर स्वास्थ्य, व्यायाम एवं मनोरंजन से जुड़ी सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया जाएगा।

रिंग रोड से मजबूत होगी शहर की अधोसंरचना: वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ की बढ़ती जरूरतों और यातायात के दबाव को देखते हुए शहर की अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए बड़े प्रोजेक्ट पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग 600 करोड़ रुपए की लागत से रिंग रोड के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। रिंग रोड के निर्माण से शहर के यातायात को बेहतर बनाने के साथ ही भविष्य के अधोसंरचना विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में नालंदा परिसर का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को अध्ययन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा जिले में नर्सिंग महाविद्यालय एवं फिजियोथेरेपी महाविद्यालय खोलने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि रायगढ़ में प्रयास विद्यालय पहले से संचालित है और आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में संस्थागत सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि जिलेवासियों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े।

पंजरी प्लांट में ऑक्सीजोन और ओपन जिम की सौगात: पंजरी प्लांट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने क्षेत्रवासियों के लिए पर्यावरण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण सौगात की घोषणा की। उन्होंने उपभोक्ता फोरम के पास ऑक्सीजोन विकसित करने तथा ओपन जिम स्थापित करने की घोषणा की। इससे क्षेत्र के नागरिकों को हरित वातावरण के साथ व्यायाम एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

मिशन वात्सल्य के तहत व्यापक बाल संरक्षण जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य बाल संरक्षण समिति के निर्देशन में जिला बालोद के विकासखंड गुंडरदेही स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इरागुड़ा में मिशन वात्सल्य एकीकृत बाल संरक्षण सेवाएं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम 2012, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, बाल अधिकारों, गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध से बचाव तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बच्चों को यह समझाया कि किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा, उत्पीड़न, ऑनलाइन धोखाधड़ी या संकट की स्थिति में वे किस प्रकार सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर बच्चों को सुरक्षित व्यवहार, आत्म-सुरक्षा, डिजिटल माध्यमों के जिम्मेदार उपयोग तथा संदिग्ध परिस्थितियों में तुरंत भरोसेमंद वयस्कों और सहायता सेवाओं से संपर्क करने के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें अपने अधिकारों और सुरक्षा तंत्र के प्रति सजग बनाना था। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुषमा पटेल, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, मास्टर ट्रेनर श्रीमती सुमन देवांगन एवं श्री गोकुल राम यादव उपस्थित रहे। चाइल्ड हेल्पलाइन की ओर से परियोजना समन्वयक श्री वेदप्रकाश साहू, केस वर्कर श्री कैलाश निषाद एवं श्री हेमशंकर निर्मलकर ने बच्चों को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। जिला बाल संरक्षण इकाई से आउटरीच वर्कर श्री नूतन नेताम ने बाल संरक्षण सेवाओं और सहायता प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जागरूकता कार्यक्रम में 118 बालक एवं 152 बालिकाओं सहित कुल 270 विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। विद्यार्थियों ने बाल सुरक्षा, कानूनी संरक्षण और साइबर जागरूकता से जुड़े विषयों पर उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और उपयोगी जानकारी प्राप्त की। राज्य शासन द्वारा संचालित मिशन वात्सल्य बच्चों के समग्र विकास, सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज में बाल संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ कर रहे हैं।

स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप से बदली ग्रामीणों की बिजली प्रबंधन की तस्वीर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं को पारदर्शी, सुविधाजनक और तकनीक आधारित सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बालोद जिले के ग्राम पंचायत ओरमा में स्मार्ट मीटर की स्थापना के बाद ग्रामीणों के बिजली उपयोग के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव आया है। अब उपभोक्ता प्रतिदिन अपनी बिजली खपत की जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर रहे हैं, जिससे ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग बढ़ा है और मासिक बिजली बिल में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

रोजाना निगरानी से आधा हुआ बिजली बिल: ग्राम पंचायत ओरमा की सरपंच श्रीमती मंजूलता साहू ने बताया कि पहले बिजली की वास्तविक खपत का अनुमान लगाना कठिन होता था, लेकिन स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। अब वे प्रतिदिन अपने घर की बिजली खपत देख पाती हैं और उसी के अनुरूप विद्युत उपकरणों का उपयोग करती हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में अधिक उपयोग के कारण उनका बिजली बिल लगभग 1,200 रुपए आया था, लेकिन ऐप के माध्यम से नियमित निगरानी और ऊर्जा के नियंत्रित उपयोग से पिछले महीने उनका बिल घटकर लगभग 600 रुपए रह गया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद सभी उपभोक्ताओं को 'मोर बिजली' ऐप का उपयोग अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे बिजली की खपत, संभावित बिल और ऊर्जा बचत की जानकारी समय पर मिलती है। घर और दुकान दोनों की खपत पर एक साथ नजर ग्राम ओरमा के किसान श्री नंदकुमार साहू ने बताया कि उनके घर और दुकान दोनों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से वे प्रतिदिन दोनों स्थानों की बिजली खपत अपने मोबाइल पर देख लेते हैं। इससे वे आवश्यकता के अनुसार बिजली का उपयोग नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के दिनों में कूलर, पंखे और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली बिल बढ़ गया था, लेकिन पिछले महीने ऊर्जा के संतुलित उपयोग से बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने यह भी बताया कि अब बिजली बिल जमा करने के लिए कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। पारदर्शिता के साथ बढ़ी ऊर्जा बचत की आदत ग्राम की निवासी कमलेश्वरी साहू और पेमिन साहू ने भी बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली की खपत पूरी तरह पारदर्शी हो गई है।

रोजाना निगरानी से आधा हुआ बिजली बिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्राम पंचायत ओरमा की सरपंच श्रीमती मंजूलता साहू ने बताया कि पहले बिजली की वास्तविक खपत का अनुमान लगाना कठिन होता था, लेकिन स्मार्ट मीटर और 'मोर बिजली' ऐप ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। अब वे प्रतिदिन अपने घर की बिजली खपत देख पाती हैं और उसी के अनुरूप विद्युत उपकरणों का उपयोग करती हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में अधिक उपयोग के कारण उनका बिजली बिल लगभग 1,200 रुपए आया था, लेकिन ऐप के माध्यम से नियमित निगरानी और ऊर्जा के नियंत्रित उपयोग से पिछले महीने उनका बिल घटकर लगभग 600 रुपए रह गया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद सभी उपभोक्ताओं को 'मोर बिजली' ऐप का उपयोग अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे बिजली की खपत, संभावित बिल और ऊर्जा बचत की जानकारी समय पर मिलती है। घर और दुकान दोनों की खपत पर एक साथ नजर ग्राम ओरमा के किसान श्री नंदकुमार साहू ने बताया कि उनके घर और दुकान दोनों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से वे प्रतिदिन दोनों स्थानों की बिजली खपत अपने मोबाइल पर देख लेते हैं। इससे वे आवश्यकता के अनुसार बिजली का उपयोग नियंत्रित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के दिनों में कूलर, पंखे और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग से बिजली बिल बढ़ गया था, लेकिन पिछले महीने ऊर्जा के संतुलित उपयोग से बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने यह भी बताया कि अब बिजली बिल जमा करने के लिए कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। 'मोर बिजली' ऐप के माध्यम से घर बैठे ही आसानी से ऑनलाइन भुगतान किया जा सकता है।

बाढ़ नियंत्रण की तैयारियों को लेकर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बाढ़ नियंत्रण को लेकर कान्फ्रेंस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। । भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (छक्ड।) द्वारा आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ राज्य में बाढ़ आपदा प्रबंधन एवं पूर्व तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के सभी जिलों के आपदा प्रबंधन नोडल अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति से निपटने और आवश्यक कार्यवाहियों के संचालन के लिए विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। '18 को टेबल टॉप और 20 अगस्त को मॉक एक्सरसाइज' कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य के सभी जिलों में बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए 18 अगस्त को राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी। इसके ठीक बाद 20 अगस्त को व्यापक मॉक एक्सरसाइज का आयोजन होगा।

'अधिकारियों को कार्यप्रणाली समझने के निर्देश': राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे टेबल टॉप एक्सरसाइज के दौरान की जाने वाली सभी प्रक्रियाओं को भली-भांति समझें। उन्होंने कहा कि वास्तविक बाढ़ आपदा के समय त्वरित राहत व बचाव कार्य के लिए यह अभ्यास अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

'विभिन्न विभागों की भूमिका पर चर्चा': बैठक के दौरान बाढ़ आपदा के समय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक निर्माण, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और पशुपालन जैसे अंतर-विभागीय समन्वय से की जाने वाली कार्यवाहियों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में नगर सेना, अग्निशमन, नागरिक सुरक्षा एवं क्त्थ् के महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (पुलिस मुख्यालय), मंडल रेल प्रबंधक (रायपुर डिवीजन), छक्त्थ् कमांडेंट, स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के निदेशक, विज्ञान केंद्र, दूरसंचार, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के साथ-साथ राज्य शासन के पंचायत, ऊर्जा, जल संसाधन, लोक निर्माण, परिवहन और खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय छानबीन समिति ने 12 जाति प्रमाण-पत्र प्रकरणों पर की सुनवाई

06 प्रकरणों में आदेश पारित, 02 नस्तीबद्ध ; 0 4 प्रकरणों में विभिन्न स्तरों पर कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित टीआरटीआई सभाकक्ष में उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जाति प्रमाण-पत्रों से संबंधित कुल 12 प्रकरण सुनवाई एवं विचारार्थ प्रस्तुत किए गए। समिति ने सभी प्रकरणों में उपलब्ध अभिलेखों, पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदनों तथा संबंधित तथ्यों का परीक्षण करते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। समिति के समक्ष सुनवाई के लिए प्रस्तुत 06 प्रकरणों में श्री पद्मभूषण काशी, संयुक्त संचालक, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, रायपुर; श्रीमती सोमवती कोल, पूर्व सरपंच; सुश्री संचिता रानी मंडल, प्रधान पाठक; श्रीमती लक्ष्मी ठाकुर,

पर्यवेक्षक, महिला एवं बाल विकास विभाग; सुश्री हास्य प्रभा अंगारे, स्टेनोग्राफर तथा नगर पंचायत मोहला-मानपुर की अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह जैन का प्रकरण शामिल था। समिति द्वारा दोनों पक्षों को सुनते हुए उनके अभ्यावेदनों को अभिलेख पर लिया गया। श्रीमती नम्रता सिंह जैन के प्रकरण की सुनवाई के दौरान विशेष व्यवस्था नगर पंचायत मोहला-मानपुर की अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह जैन के प्रकरण की सुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों के उपस्थित होने के कारण बैठक स्थल पर भीड़ बढ़ गई। इसके अतिरिक्त समिति के समक्ष श्री रविन्द्र कुमार वासनिक, सहायक ग्रेड-01; श्री वासुदेव चौहान, जोन कमिश्नर; सुश्री अंजु कुमारी; श्री जीवन लिव्हिंगस्टन, सहायक ग्रेड-02; श्रीमती हेमलता भंसारे, स्टेनोटायपिस्ट तथा श्री लक्ष्मी नारायण महतो, प्रवर अधीक्षक के कुल 06 प्रकरण भी

41 वें चक्रधर समारोह-2026 का होगा भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कला, संस्कृति और संगीत की समृद्ध परंपरा को समर्पित 41 वें चक्रधर समारोह-2026 का भव्य आयोजन रायगढ़ के स्थानीय रामलीला मैदान में 14 से 23 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। समारोह को व्यवस्थित, भव्य और गरिमामय स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कलेक्टर एवं अध्यक्ष, चक्रधर समारोह आयोजन समिति श्री मयंक चतुर्वेदी द्वारा जारी आदेश में समारोह से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए विभागवार कार्य एवं समन्वयक अधिकारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि समारोह के दौरान देश-प्रदेश से आने वाले कलाकारों, अतिथियों एवं कला प्रेमियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंच, टेंट-पंडाल, विद्युत एवं साउंड व्यवस्था, ग्रीन रूम, स्वच्छता, पेयजल, भोजन, आवास, परिवहन, सुरक्षा, चिकित्सा, प्रचार-प्रसार और स्वागत सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कलेक्टर एवं अध्यक्ष चक्रधर समारोह आयोजन समिति तथा नोडल अधिकारी के निर्देशन में आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं।

'भव्य मंच के साथ आकर्षक होगा समारोह स्थल': समारोह स्थल रामलीला मैदान में टेंट-पंडाल की व्यवस्था लोक निर्माण विभाग द्वारा की जाएगी। राजस्व विभाग को मंच व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि नगर निगम रायगढ़ द्वारा रामलीला मैदान में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। परिसर एवं मंच की साफ-सफाई के लिए नगर निगम द्वारा प्रतिदिन कर्मचारियों की व्यवस्था की जाएगी, जो कार्यक्रम शुरू होने से एक घंटे पहले से लेकर कार्यक्रम समाप्ति तक तैनात रहेंगे।

समारोह स्थल पर महाराजा स्वर्गीय चक्रधर सिंह जी का पोर्ट्रेट स्थापित किया जाएगा। शिक्षा विभाग द्वारा दीप-शिखा सहित संबंधित व्यवस्थाएं की जाएंगी। वहीं लोक निर्माण विभाग को डायस, लाइट एवं साउंड की व्यवस्था तथा संबंधित टेंट एवं साउंड संचालक से समन्वय का दायित्व दिया गया है। समारोह स्थल को आकर्षक बनाने के लिए उद्यान विभाग द्वारा 100 नग शोभादार पौधों से सजावट की जाएगी। आमंत्रित अतिथियों एवं कलाकारों के लिए प्रतिदिन फूलमाला एवं गुलदस्ते की व्यवस्था भी की जाएगी। 'रेलवे स्टेशन से लेकर आयोजन स्थल तक होगा स्वागत' बाहर से आने वाले कलाकारों एवं अतिथियों के स्वागत के लिए रेलवे विभाग के समन्वय से रायगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक-1 पर स्वागत काउंटर बनाया जाएगा। प्रत्येक यात्री गाड़ी के आगमन पर समारोह की जानकारी तथा अतिथि कलाकारों के अभिनंदन से संबंधित उद्घोषणा की जाएगी।

138 करोड़ की लागत से नांदघाट-मुंगेली रोड होगा फोरलेन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन ने बेमेतरा जिले के नांदघाट से मुंगेली जिला मुख्यालय तक पूर्व में स्वीकृत टू-लेन सड़क को फोरलेन करने 21 करोड़ 81 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की है। राज्य शासन ने वर्ष-2024 में सी.आर.आई.एफ. योजना के अंतर्गत टू-लेन नांदघाट-मुंगेली मार्ग के निर्माण के लिए 116 करोड़ रुपए मंजूर किए थे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने इस सड़क को टू-लेन से फोरलेन में परिवर्तित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए थे। उनके निर्देश के अनुपालन में नांदघाट-मुंगेली मार्ग के टू-लेन से फोरलेन में उन्नयन के लिए राज्य शासन ने गुरुवार को 21 करोड़ 81 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की है। पूर्व में स्वीकृत 116 करोड़ और गुरुवार को स्वीकृत 21 करोड़ 81 लाख को मिलाकर अब कुल 137 करोड़ 81 लाख रुपए की लागत से नांदघाट और मुंगेली के बीच 36.40 किमी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। क्षेत्रवासी राज्य मार्ग नांदघाट-मुंगेली को फोरलेन करने की मांग लंबे समय से कर रहे थे। राज्य शासन द्वारा अतिरिक्त राशि स्वीकृत करने से क्षेत्र की एक बड़ी मांग पूरी हो रही है। इस मार्ग के फोरलेन हो जाने से मुंगेली, लोरमी, पंडरिया तथा पंडरिया होते हुए मध्यप्रदेश के लोगों का राजधानी रायपुर आवागमन तेज, सुगम एवं सुरक्षित हो जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा नवागढ़ के विधायक श्री दयालदास बघेल ने नांदघाट-मुंगेली सड़क के फोरलेन के रूप में मंजूरी पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी है।

राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर जशपुर की समृद्ध हाथकरघा संस्कृति को मिली नई पहचान

घोलेंग में पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने मनाया उत्सव, हाथकरघा एवं बांस उत्पादों की लगाई आकर्षक प्रदर्शनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर जशपुर जिले के घोलेंग ग्राम पंचायत स्थित आजीविका परिसर में पारंपरिक हाथकरघा कला और स्थानीय संस्कृति का जीवंत रंग देखने को मिला। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस मनाया। कार्यक्रम में हाथकरघा आधारित आजीविका से परंपरागत रूप से जुड़े लगभग 35 से 40 परिवारों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर महिलाओं ने हाथकरघा से निर्मित शॉल, पारंपरिक आभूषण तथा बांस से तैयार विभिन्न उपयोगी एवं आकर्षक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी के माध्यम से जशपुर की स्थानीय कला, शिल्प, परंपरा और ग्रामीण महिलाओं के हुनर को प्रदर्शित किया गया। बल्कि ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम भी बन सकती है। आधुनिक सुविधाओं से सशक्त होगा पारंपरिक

हस्तकरघा क्षेत्र जिला प्रशासन द्वारा घोलेंग स्थित आजीविका परिसर में हैंडलूम प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से हाथकरघा क्षेत्र से जुड़े परिवारों को आधुनिक मशीनरी एवं तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, लैब टेस्टिंग, आधुनिक डिजाइन और बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। केंद्र के जरिए जशपुर की पारंपरिक हाथकरघा कला को आधुनिक तकनीक एवं बाजार की मांग के अनुरूप विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे स्थानीय कारीगरों और स्व सहायता समूहों को अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने के अवसर मिलेंगे और उनकी आय में वृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: कार्यक्रम में बिहान के जिला दल से डीएमएम, डीपीएम, आदित्य बिरला समूह के परिसर प्रमुख एवं प्रशिक्षक सहित स्व सहायता समूहों से जुड़ी सैकड़ों दीदियां उपस्थित रहीं। महिलाओं ने पारंपरिक हस्तकरघा कला को संरक्षित करने, स्थानीय शिल्प को नई पहचान दिलाने तथा आधुनिक बाजार से जोड़कर इसे आय का मजबूत साधन बनाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर घोलेंग में आयोजित यह आयोजन जशपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय हुनर और ग्रामीण आजीविका को एक मंच पर लाने वाली महत्वपूर्ण पहल बनकर सामने आया। प्रशिक्षण, उत्पादन, डिजाइन और बाजार की सुविधाओं से जुड़कर जशपुर का पारंपरिक हाथकरघा क्षेत्र आने वाले समय में स्थानीय परिवारों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

प्रशिक्षण से डिजाइन और बाजार तक बनेगी पूरी व्यवस्था

आदित्य बिरला समूह के प्रबंधन एवं सहयोग से प्रशिक्षण, उत्पादन, डिजाइन विकास तथा बाजार से जुड़ी गतिविधियों को प्रभावी बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय महिलाओं और कारीगरों के पारंपरिक कौशल को निखारते हुए उन्हें आधुनिक उत्पादन तकनीक और बाजार की बदलती जरूरतों से जोड़ना है। हाथकरघा एवं बांस उत्पादों की प्रदर्शनी में स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों ने आकर्षित किया। इन उत्पादों में स्थानीय परंपरा और आधुनिक उपयोगिता का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा